RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रुबरु

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 | अंक-295 | जयपुर, शुक्रवार, 24 अप्रैल 2026 | मूल्य-4 रुपये

हिंसा की छिटपुट घटनाओं के बीच बंगाल में रिकॉर्ड मतदान, तमिलनाडु में भी ऐतिहासिक वोटिंग

बंगाल में पहले फेज में रिकॉर्ड 93% मतदान, तमिलनाडु में भी पहली बार 85% वोटिंग हुई

कोलकाता/चेन्नई

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए गुरुवार को रिकॉर्ड वोटिंग हुई। बंगाल की 294 में से 152 सीटों पर पहले फेज में 92.72% मतदान हुआ। छिटपुट हिंसक घटनाएं भी हुईं। दो भाजपा विधायकों पर हमला हुआ।

तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 85.14% वोटिंग हुई। दोनों राज्यों में आजादी के बाद अब तक सबसे ज्यादा वोटिंग हुई है। इससे पहले तमिलनाडु में सबसे ज्यादा मतदान 2011 में 78.29% था, जबकि बंगाल में 2011 में 84.72% मतदान दर्ज किया गया था।

बंगाल और तमिलनाडु में रिकॉर्ड वोटिंग की वजह स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) भी मानी जा रही है। इसी साल 9 अप्रैल को केरल, असम, पुडुचेरी और नवंबर 2025 में बिहार विधानसभा चुनाव में भी रिकॉर्ड मतदान हुआ था।

केरलम में 78.27% वोटिंग के साथ 39 साल का रिकॉर्ड टूटा था। असम में 85.91%, बिहार में 66.90% और पुडुचेरी 89.87% में इतिहास की सबसे ज्यादा वोटिंग हुई। बंगाल-तमिलनाडु की तरह इन राज्यों-केंद्र शासित प्रदेश में स्ढ्ढक्रहुई है। इस चरण में दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार, कूचबिहार, उत्तर दिनाजपुर, दक्षिण दिनाजपुर, मालदा, मुर्शिदाबाद, बीरभूम, पश्चिम बर्धमान, पुरुलिया, बांकुड़ा, झाड़ग्राम, पश्चिम मेदिनीपुर और पूर्व मेदिनीपुर जैसे जिलों में मतदान हुआ। ये सभी जिले भौगोलिक और सामाजिक रूप से विविधता वाले क्षेत्र हैं, जिनमें सीमावर्ती इलाके, चाय बागान क्षेत्र, आदिवासी बहुल क्षेत्र, ग्रामीण इलाकों के साथ-साथ शहरी केंद्र भी शामिल हैं।

चुनाव आयोग के अनुसार प्रथम चरण में लगभग 3.6 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के पात्र थे। कुल 44,376 मतदान केंद्र बनाए गए थे। 5644 मतदान केंद्रों का संचालन महिलाकर्मियों द्वारा किया गया, जबकि 207 मतदान केंद्रों को मॉडल केंद्र के रूप में विकसित किया गया था।

सुरक्षा की दृष्टि से यह चरण अबतक के सबसे सख्त इंतजामों में से एक माना जा रहा है। पूरे राज्य में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 2407 कंपनियां तैनात की गईं। संवेदनशील और अति-संवेदनशील बूथों पर अतिरिक्त निगरानी, ड्रोन सर्विलांस, फ्लाइंग स्क्वॉड और विशेष पर्यवेक्षकों की तैनाती की गई।

मतदान के दौरान अधिकांश सीटों पर भारी उत्साह देखने को मिला और कई जिलों में मतदान 90 प्रतिशत से अधिक दर्ज किया गया। दक्षिण दिनाजपुर सबसे आगे रहा, जहां 93.12 प्रतिशत मतदान हुआ।

बंगाल में एमएलए की कार तोड़ी, तमिलनाडु में पुलिस को चाकू मारा

बंगाल के दक्षिण मिदनापुर में कुमारगंज सीट से भाजपा कैंडिडेट सुवेंदु सरकार को भीड़ ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। उनका सिक्योरिटी गार्ड उनके साथ था। इसके बावजूद भीड़ ने उन्हें खदेड़ दिया।

पश्चिम बर्धमान जिले के बर्नपुर में आसनसोल साउथ सीट से भाजपा की मौजूदा विधायक और उम्मीदवार अग्निमित्रा पॉल की कार पर हमला हुआ। इससे गाड़ी के पीछे का शीशा टूट गया। अग्निमित्रा ने बताया कि उनकी कार पर पत्थर फेंके गए।

तमिलनाडु के पोरैयार स्थित जमालिया मिडिल स्कूल में वोटिंग के दौरान हेड कांस्टेबल पर एक व्यक्ति ने चाकू से हमला कर दिया।

बंगाल की बेरहामपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार अधीर रंजन चौधरी ने आरोप लगाया कि उनके पार्टी एजेंट पर ज्जस्ष्ट कार्यकर्ताओं ने हमला किया। सुरक्षाबल और अन्य लोग पोलिंग बूथ से घायलों को गोद में उठाकर ले गए। एक युवक के सिर पर भी चोटें आईं।

149 दिन बाद खुले बद्रीनाथ धाम के कपाट

सीएम धामी के बाद शंकराचार्य ने किए दर्शन, भगवान ने दिए मौसम अनुकूल रहने के संकेत

चमोली

चारधाम यात्रा के पांचवें दिन यानी गुरुवार को चमोली स्थित बद्रीनाथ धाम के कपाट विधिवत रूप से खोल दिए गए हैं। सुबह 6 बजकर 15 मिनट पर मंदिर के द्वार खुलते ही सबसे पहले सीएम पुष्कर सिंह धामी और उनके बाद शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने भगवान के दर्शन किए।

अनुमान है कि आज करीब 7 हजार लोग दर्शन के लिए पहुंचेंगे, कपाट खुलने के समय मंदिर परिसर में करीब 2 हजार लोग मौजूद थे। यहां सबसे पहले बीते छह महीनों से जल रही अखंड ज्योति के दर्शन किए जा रहे हैं।

वहीं, कपाट बंद होने के समय बद्रीविशाल पर चढ़ा घृत कंबल हटा दिया गया है। बद्रीनाथ धाम के पूर्व धर्माधिकारी आचार्य भुवन चंद्र उनियाल ने बताया कि इस साल कंबल घी में लबालब मिला है, जो ये संकेत देता है कि पूरे साल मौसम अनुकूल रहेगा।

बद्रीनाथ के कपाट खुलते ही अब श्रद्धालु उत्तराखंड में स्थित चारों धामों के दर्शन कर पाएंगे। इससे पहले अक्षय तृतीया के मौके पर 19 अप्रैल को गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खुले थे, जिसके तीन दिन बाद 22 अप्रैल को बाबा केदारनाथ के कपाट खोले गए। राज्य सरकार का दावा है कि इस बार यात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाने का प्रयास किया गया है जिसके कारण 2025 के मुकाबले इस साल ज्यादा श्रद्धालु पहुंचेंगे।

2025 में करीब 51,06,346 श्रद्धालुओं ने चारों धामों के दर्शन किए थे। यह संख्या साल 2024 की तुलना में लगभग 4.35 लाख ज्यादा थी।

आईएएस अफसर आरती डोगरा के खिलाफ होगी एसीबी जांच

हाईकोर्ट ने कहा- जानबूझकर अधिकारी के खिलाफ जांच पर निर्णय नहीं लिया, भ्रष्टाचार की आशंका

जयपुर

राजस्थान हाईकोर्ट ने डिस्कॉम की चेयरपर्सन और आईएएस आरती डोगरा के खिलाफ एसीबी जांच का आदेश दिया है। जस्टिस रवि चिरानिया की बेंच ने सुपरिटेंडेंट इंजीनियर RK मीना की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया।

हाईकोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा- डिस्कॉम चेयरपर्सन ने याचिकाकर्ता के खिलाफ जांच पर फैसला जानबूझकर कई महीनों तक रोककर रखा था। इन परिस्थितियों में, इस मामले में भ्रष्टाचार का संदेह करने के पर्याप्त आधार प्रतीत होते हैं।

इसलिए ACB इस मामले की जांच करे और तीन महीने के भीतर रिपोर्ट जमा करे। कोर्ट ने कहा- हमें लगता है कि सीएमडी अपने कर्तव्यों की पालना करने में विफल रही हैं।

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता अजातशत्रु मीणा और मोविल जीनवाल ने कोर्ट को बताया- याचिकाकर्ता ने साल 2022-23 की डीपीसी को चुनौती देते हुए दिसंबर 2023 में कोर्ट में रिट याचिका दायर की थी।

भीषण गर्मी के चलते 4-जिलों में स्कूलों का टाइम बदला

3 जिलों में मनरेगा के समय में बदलाव

जयपुर

राजस्थान में पारा 44 डिग्री के करीब पहुंच गया है। बढ़ती गर्मी के कारण जयपुर के बाद कोटा, चित्तौड़गढ़, जैसलमेर और दौसा में स्कूलों का टाइम बदला गया है। कोटा में 24 अप्रैल से 12वीं क्लास का समय सुबह 7.30 से दोपहर 12.30 बजे तक कर दिया है।,

दौसा में 24 अप्रैल से 2 मई तक 8वीं क्लास का समय सुबह 7.30 बजे से दोपहर के 12 बजे तक कर दिया गया है। जैसलमेर और चित्तौड़गढ़ में 8वीं क्लास तक के बच्चों का समय सुबह 7:30 से 12:00 बजे तक कर दिया है। दौसा, जैसलमेर और चित्तौड़गढ़ में आंगनबाड़ी केंद्रों का समय सुबह 7:30 बजे से 11 बजे तक कर दिया है। बीकानेर, झुंझुनूं और जैसलमेर में महात्मा गांधी नरेगा योजना (मनरेगा) के समय में बदलाव किया गया है। अब मजदूर सुबह 6 बजे से लेकर दोपहर 1 बजे तक ही काम करेंगे। इस 7 घंटे की शिफ्ट में कोई रेस्ट पीरियड नहीं होगा। उधर, श्रीगंगानगर में दो दिन बाद हल्की बारिश की संभावना है। जयपुर में बीते 24 घंटे के दौरान दिन का तापमान 2 डिग्री तक बढ़ गया है। वहीं, मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने 24 अप्रैल से राजस्थान में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है।

इन जिलों में पारा 40 डिग्री से ऊपर रहा

राज्य के सभी इलाकों में मौसम साफ रहा। कोटा, पिलानी, चित्तौड़गढ़, चूरू, में बुधवार को अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज हुआ। बसे ज्यादा तापमान श्रीगंगानगर में 43.7 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, चूरू समेत उत्तर-पूर्व के जिलों में बुधवार को दिनभर हल्की से मध्यम गति की धूलभरी हवा चली।

ट्रम्प ने लेबनान-इजराइल में 3 हफ्ते का सीजफायर कराया

कहा- ईरान के साथ कोई जल्दबाजी नहीं है, परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से इनकार

वॉशिंगटन डीसी

डोनाल्ड ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में इजराइल और लेबनान के राजदूत स्तर की दूसरी बातचीत के बाद दोनों देशों के बीच सीजफायर को तीन हफ्तों के लिए बढ़ाने का ऐलान किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर बताया कि वह जल्द ही इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन को व्हाइट हाउस बुलाने की योजना बना रहे हैं।

ईरान के साथ समझौते को लेकर ट्रम्प ने कहा कि कोई भी डील तभी होगी जब वह अमेरिका के हित में होगी। उन्होंने साफ किया कि इस मामले में कोई तय समय सीमा नहीं है और वह जल्दबाजी में फैसला नहीं करेंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के खिलाफ परमाणु हथियारों का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। उनके मुताबिक पारंपरिक (नॉन-न्यूक्लियर) हमलों से ही ईरान को पहले ही भारी नुकसान पहुंचाया जा चुका है, इसलिए परमाणु हथियारों की जरूरत नहीं है।

प्रधानमंत्री का हावड़ा में रोड-शो

भाजपा का भरोसा जीतेगा: मोदी

कोलकाता

पश्चिम बंगाल में गुरुवार को 152 सीटों पर वोटिंग हुई तो 142 सीटों पर चुनाव प्रचार चलता रहा। पीएम मोदी ने कृष्णानगर और मथुरापुर में जनसभा की और हावड़ा में रोड शो किया।

मोदी ने कहा कि जनता ने तय कर दिया है कि 4 मई को परिणाम नहीं, परिवर्तन आएगा। TMC हारेगी और भाजपा का भरोसा जीतेगा। अब का मतदान सभी रिकॉर्ड तोड़ रहा है। मैं यहां परिवर्तन की आंधी देख रहा हूं।

प्रधानमंत्री की रैली के बाद टीएमसी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा- न आए हो, न आओगे।

जिस वक्त मोदी हावड़ा में रोड शो कर रहे थे, उसी वक्त मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भवानीपुर में रोड शो किया। ममता यहीं से विधायक हैं। भवानीपुर में 29 अप्रैल को वोटिंग होनी है। यहां से सुवेंदु अधिकारी भाजपा प्रत्याशी हैं।

बोलेरो-डंपर की भिड़ंत में 3 जिंदा जले

सादुलपुर

चूरू में डंपर और बोलेरो की भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद बोलेरो में आग लग गई, जिसमें तीन लोग जिंदा जल गए। एक्सीडेंट गुरुवार रात करीब 10 बजे थिरपाली गांव के पास हुआ है।

हादसे में घायल 5 लोगों को जयपुर रेफर किया गया है। हमीरवास थानाधिकारी ने बताया कि शव पूरी तरह जल जाने के कारण उनकी पहचान नहीं हो पाई है। डेड बॉडी चूरू के जिला हॉस्पिटल में रखवाई गई हैं।

राजस्थान में कर्मचारियों और पेंशनर्स का डीए 2% बढ़ा

सरकार पर सालाना 1156 करोड़ रुपए का भार आएगा

जयपुर

केंद्र के बाद अब राज्य सरकार ने भी कर्मचारियों और पेंशनर्स के महंगाई भत्ते में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। राज्य कर्मचारियों और पेंशनर्स का डीए बढ़ाने की सीएम भजनलाल शर्मा ने मंजूरी दी है। सीएम से मंजूरी के बाद वित्त विभाग इसका आदेश जारी कर दिया है। कर्मचारियों और पेंशनर्स का डीए 58 फीसदी से बढ़ाकर 60 फीसदी किया गया है। बढ़ा हुआ डीए 1 जनवरी 2026 से दिया जाएगा।

बढ़े हुए डीए का लाभ 7.02 लाख कर्मचारियों और 5.44 लाख पेंशनर्स को मिलेगा। पंचायत समिति और जिला परिषद के कर्मचारियों को भी बढ़ा हुआ डीए मिलेगा। कर्मचारियों को मई के वेतन से डीए का नकद भुगतान होगा।

1 जून से बढ़े हुए डीए का नकद भुगतान किया जाएगा। 1 जनवरी 2026 से 30 अप्रैल 2026 तक की अवधि के बढ़े हुए डीए को कर्मचारियों के सामान्य प्रावधायी निधि खाते (जीपीएफ अकाउंट) में जमा करवाया जाएगा।

पेंशनर्स को 1 जनवरी से बढ़े डीए का नकद भुगतान

पेंशनर्स को 1 जनवरी 2026 से डीए का नकद भुगतान किया जाएगा। कर्मचारियों और पेंशनर्स का डीए बढ़ाने से सरकार पर सालाना लगभग 1156 करोड़ रुपए का भार आएगा। केंद्र सरकार ने 18 अप्रैल को केंद्रीय कर्मचारियों का डीए 2 फीसदी बढ़ाने का फैसला किया था। अब 5 दिन बाद राज्य सरकार ने भी डीए बढ़ा दिया है। राजस्थान में पिछले लंबे समय से केंद्र की घोषणा के बाद कुछ समय बाद ही राज्य सरकार भी डीए बढ़ाती रही है।

ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट- कृषि निवेश यात्रा को और आगे ले जाएगा 'ग्राम-2026'

किसान, कृषि विशेषज्ञ, नीति निर्माता एवं निवेशकों को मिलेगा एक मंच: मुख्यमंत्री

कृषकों की आय बढ़ाने पर होगी चर्चा, आधुनिक तकनीक पर दिया जाएगा बल

जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सशक्त किसान, समृद्ध भारत' के विजन को राज्य में धरातल पर साकार करने के लिए 23 से 25 मई तक जयपुर में होने वाला ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट(ग्राम)-2026 बड़ा मंच साबित होगा। इस आयोजन का उद्देश्य किसानों, कृषि विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और निवेशकों को एक साथ लाकर कृषि प्रौद्योगिकी के माध्यम से किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत करना है। मुख्यमंत्री गुरुवार को नई दिल्ली में आयोजित ग्राम-2026 इन्वेस्टर मीट को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी निवेशकों एवं उद्यमियों को ग्राम-2026 में भाग लेने का आमंत्रण भी दिया। उन्होंने कहा कि'ग्राम' के तहत गिरदावर सर्किल, उपखण्ड, जिला सहित प्रत्येक स्तर पर गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं, जिससे ज्यादा से ज्यादा किसान लाभान्वित हो सकें। उन्होंने कहा कि राजस्थान कृषि उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य है। बाजरा, सरसों, तिलहन, जौ, ग्वार, ईसबगोल और जीरे के उत्पादन में राजस्थान देश में पहले स्थान पर है। इस विविधता से फूड प्रोसेसिंग, स्पाइस पार्क और एग्री-एक्सपोर्ट जैसे क्षेत्रों में उद्यमियों के लिए अपार संभावनाएं मौजूद हैं।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार उद्यमियों को निवेश अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन कर कृषि क्षेत्र में करीब 44 हजार करोड़ रुपये के एमओयू साइन किए गए, जिनमें से 9 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश धरातल पर उतर भी चुका है। ग्राम-2026 इसी निवेश यात्रा को और आगे ले जाने का मंच है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पहली बार पश्चिम क्षेत्रीय जोनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। दलहन उत्पादन के मामले में झालावाड़ व टोंक जिलों को मॉडल जिलों के तौर पर विकसित किया जा रहा है।

कृषि से जुड़ी गतिविधियों पर भी सरकार का फोकस

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में सौर ऊर्जा उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं। हमारी सरकार ने दो साल में एक हजार करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान जारी कर राज्य में 65 हजार से अधिक सौर पंप संयंत्र स्थापित करवाए हैं। इससे किसानों की बिजली लागत/खर्च में भारी कमी आई है और कृषि उत्पादकता में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि हमारी मंशा है कि किसानों को निकटतम ही प्रसंस्करण इकाई मिले और उनकी आय बढ़े। इस हेतु हम प्रोसेसिंग यूनिट, वेयरहाउस, डेयरी, मछली पालन, पशुपालन सहित अन्य कृषि से जुड़ी गतिविधियों पर भी फोकस कर रहे हैं।

सांवलिया सेठ को 32.87 करोड़ रुपए का चढ़ावा, छठे राउंड में 54 लाख की गिनती

चित्तौड़गढ़

चित्तौड़गढ़ (मेवाड़) के श्रीसांवलियाजी सेठ मंदिर में गुरुवार को छठे चरण में दानराशि के कुल 54 लाख 6 हजार 600 रुपए की गिनती हुई। 6 राउंड के बाद महीनेभर (18 मार्च से 16 अप्रैल) के चढ़ावे की राशि 32 करोड़ 87 लाख 11 हजार 600 रुपए पर पहुंच गई है।

वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को खोली गई भंडार दानपेटी की गिनती आज राजभोग आरती के बाद शुरू की गई, जो शाम तक लगातार चलती रही। प्रशासनिक अधिकारियों और मंदिर मंडल की निगरानी में प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

एडीएम और मंदिर मंडल की सीईओ प्रभा गौतम ने बताया- अब शेष राशि की गणना शुक्रवार को आखिरी और सातवें चरण में की जाएगी।

चरोतर में भूकंप के झटके से दहशत, आणंद समेत कई इलाकों में लोग घरों से बाहर निकले

आणंद(एजेंसी)। गुजरात में पिछले कुछ समय से भू-स्तरीय हलचलों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इसी बीच आज आणंद जिले के चरोतर में आए भूकंप के झटकों ने लोगों में भय का माहौल पैदा कर दिया। शाम के समय आणंद और आसपास के क्षेत्रों में धरती हिलने से लोग घबरा गए। सावधानी के तौर पर कई लोग अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकलकर खुले मैदानों में एकत्र हो गए। हालांकि अब तक किसी बड़े नुकसान की सूचना सामने नहीं आई है, लेकिन लोगों में डर का माहौल अभी भी बना हुआ है। गांधीनगर स्थित सिस्मोलॉजी रिसर्च सेंटर (आईएसआर) के अनुसार, आज शाम 4:35 बजे आणंद और उसके आसपास के क्षेत्रों में भूकंप के झटके दर्ज किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.4 मापी गई है। भूकंप का केंद्र आणंद से लगभग 36 किलोमीटर दूर बताया गया है। गौरतलब है कि हाल के दिनों में गुजरात में आए हल्के भूकंप के झटकों ने स्थानीय लोगों में चिंता और घबराहट बढ़ा दी है। राहत की बात यह है कि इस बार भी झटका हल्का होने के कारण किसी प्रकार की जनहानि या बड़े नुकसान की खबर नहीं है। हालांकि अचानक आए इन झटकों से लोगों में कुछ समय के लिए भय का माहौल जरूर बना रहा।

ऑनलाइन गेम से शुरू हुआ प्यार, शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म, केरल से आरोपी गिरफ्तार

सूरत (एजेंसी)। शहर के पुना क्षेत्र की एक युवती ऑनलाइन गेम फ्री फायर और पबजी खेलने की शौकीन थी। गेम खेलने के दौरान उसकी पहचान केरल निवासी हिशाम मुनीर नामक युवक से हुई। खेल के दौरान दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई और धीरे-धीरे यह दोस्ती प्रेम संबंध में बदल गई। आरोप है कि युवक ने युवती को प्रेमजाल में फंसाकर शादी का भरोसा दिलाया। प्रेम संबंध बनने के बाद युवती केरल में पीजी में रहने चली गई। इस दौरान आरोपी हिशाम मुनीर ने शादी का झांसा देकर उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए। लगातार शोषण के कारण युवती गर्भवती हो गई। जब युवती ने गर्भवती होने और शादी करने की बात कही, तब आरोपी ने अपना असली चेहरा दिखाते हुए उसे बेसहारा हालत में छोड़ दिया और फरार हो गया। अपने साथ हुए विश्वासघात और अन्याय के खिलाफ युवती सूरत लौट आई और पुना पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की। युवती की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने केरल निवासी आरोपी हिशाम मुनीर को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

ऑनलाइन गेम से शुरू हुआ प्यार, शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म, केरल से आरोपी गिरफ्तार

सूरत (एजेंसी)। शहर के पुना क्षेत्र की एक युवती ऑनलाइन गेम फ्री फायर और पबजी खेलने की शौकीन थी। गेम खेलने के दौरान उसकी पहचान केरल निवासी हिशाम मुनीर नामक युवक से हुई। खेल के दौरान दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई और धीरे-धीरे यह दोस्ती प्रेम संबंध में बदल गई। आरोप है कि युवक ने युवती को प्रेमजाल में फंसाकर शादी का भरोसा दिलाया। प्रेम संबंध बनने के बाद युवती केरल में पीजी में रहने चली गई। इस दौरान आरोपी हिशाम मुनीर ने शादी का झांसा देकर उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए। लगातार शोषण के कारण युवती गर्भवती हो गई। जब युवती ने गर्भवती होने और शादी करने की बात कही, तब आरोपी ने अपना असली चेहरा दिखाते हुए उसे बेसहारा हालत में छोड़ दिया और फरार हो गया। अपने साथ हुए विश्वासघात और अन्याय के खिलाफ युवती सूरत लौट आई और पुना पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की। युवती की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने केरल निवासी आरोपी हिशाम मुनीर को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

लेंसकार्ट विवाद पर धीरेंद्र शास्त्री ने कंपनी के प्रमोटर्स से कहा, 'तू अपनी कंपनी लाहौर में खोल ले

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईवियर कंपनी लेंसकार्ट के ड्रेस कोड को लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों में प्रदर्शन हो रहे हैं। हिंदू संगठनों से जुड़े लोग 4 दिनों से कई शहरों के लेंसकार्ट स्टोर में जाकर कर्मचारियों को तिलक लगाकर कलावा बांध रहे हैं। इस बीच बागेश्वर बाबा धीरेंद्र शास्त्री ने कंपनी के प्रमोटर्स से कहा, 'तू अपनी कंपनी लाहौर में खोल ले, भारत में काहे को मर रहा है? तेरो कक्का का भारत है क्या? हां! हमारे बाप का भारत है।' बीते सप्ताह सोशल मीडिया पर कंपनी का एक पॉलिसी डॉक्यूमेंट वायरल हुआ था। इसमें कर्मचारियों को बिंदी, तिलक, कलावा और बुर्का पहनने पर रोक की बात थी। हिजाब और पगड़ी को कुछ शर्तों के साथ अनुमति थी। सामाजिक कार्यकर्ता शेफाली वैद्य ने लेंसकार्ट का ड्रेस कोड को लेकर डाक्यूमेंट शेयर किया। उन्होंने कंपनी के फाउंडर से पूछा कि पीयूष बंसल, क्या आप स्पष्ट कर सकते हैं कि लेंसकार्ट में हिजाब ठीक है लेकिन बिंदी और कलावा क्यों नहीं? इसके बाद लोगों ने लेंसकार्ट को ट्रोल कर कंपनी की नीति पर सवाल उठाए। इसके बाद कंपनी के फाउंडर पीयूष बंसल ने 15 अप्रैल को बताया कि वायरल डॉक्यूमेंट पुराना है। यह कंपनी की मौजूदा गाइडलाइन नहीं दिखाता है। कंपनी सभी धर्मों का सम्मान करती है। देश में हमारे हजारों टीम मेंबर्स हैं, जो हर दिन अपने विश्वास और संस्कृति को गर्व के साथ अपनाते हैं।

कर्नाटक में होमस्टे में अमेरिकी महिला के साथ रेप, दो आरोपी गिरफ्तार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के कोडागु जिले के कुट्टा गांव स्थित होमस्टे में अमेरिकी महिला के साथ यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि घटना करीब एक हफ्ते पहले हुई थी। पुलिस के अनुसार, होमस्टे में काम करने वाले एक स्टाफ को मामले में गिरफ्तार किया है। आरोपी झारखंड निवासी है। पुलिस ने होमस्टे के मालिक को भी गिरफ्तार किया है। महिला का आरोप है कि आरोपी ने ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया और फिर रेप किया। जब पीड़ित महिला ने होमस्टे मालिक से शिकायत की, तब मालिक ने मामला दबाने की कोशिश की। होमस्टे मालिक ने तीन दिनों तक वाई-फाई सेवा बंद कर दी, जिससे वह किसी से संपर्क नहीं कर सकी। बाद में इंटरनेट सेवा मिलने पर वह मैसूर जाने के बहाने वहां से निकली।

महिला आरक्षण के मुद्दे पर मायावती ने किया साफ... कार्यकर्ता किसी भी भ्रम से बचें

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने महिला आरक्षण के मुद्दे पर पार्टी का रुख एक बार फिर स्पष्ट कर कार्यकर्ताओं को किसी भी प्रकार के भ्रम से बचने की सख्त हिदायत दी है। उन्होंने कहा कि 15 अप्रैल 2026 को पार्टी द्वारा जो आधिकारिक स्टैंड तय किया गया था, वहीं अब भी लागू है और उसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसके साथ ही उन्होंने संगठन को मजबूत करने, जनाधार बढ़ाने और उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों में पूरी ताकत से जुटने का आह्वान किया।

मायावती ने पोस्ट के जरिए पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे पार्टी की नीतियों और दिशा-निर्देशों का पूरी ईमानदारी और निष्ठा से पालन करें। उन्होंने बताया कि वह पार्टी कार्यों के सिलसिले में दिल्ली जा रही हैं और जल्द ही वापस लौटेंगी, लेकिन इस दौरान संगठनात्मक कार्यों में कोई ढिलाई नहीं होनी चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से 31 मार्च 2026 को लखनऊ में हुई प्रदेश स्तरीय बैठक का जिक्र कर कहा कि उसमें संगठन को मजबूत करने, कैडर के जरिए जनाधार बढ़ाने और आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के जो निर्देश दिए गए थे, उन पर लगातार काम किया जाना चाहिए। इसके अलावा 22 फरवरी को आयोजित ऑल-इंडिया स्तर की बैठक में दिए गए निर्देशों को भी समयबद्ध तरीके से लागू करने पर जोर दिया। मायावती ने कहा कि वे जनता के बीच जाकर बीएसपी सरकार के दौरान किए गए विकास कार्यों और जनहितकारी योजनाओं की जानकारी दें। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में बने कई एक्सप्रेस-वे और नोएडा में विकसित हो रहे जेवर एयरपोर्ट जैसी परियोजनाओं की रूपरेखा बीएसपी सरकार के दौरान ही तैयार की गई थी। उनका आरोप था कि तब केंद्र में रही कांग्रेस सरकार की नीतियों के कारण इन योजनाओं को पूरा होने में बाधाएं आईं। उन्होंने 'कानून द्वारा कानून का राज' और 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' की विचारधारा पर कहा कि उत्तर प्रदेश के समग्र विकास, बेहतर कानून व्यवस्था और सभी वर्गों की उन्नति के लिए बीएसपी का शासन मॉडल ही सबसे उपयुक्त है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे इन मुद्दों को जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाएं।

महिला आरक्षण के मुद्दे पर मायावती ने साफ कहा कि पार्टी इसका समर्थन करती है, लेकिन इस कानून को पूरी तरह प्रभावी बनाने के लिए सामाजिक संतुलन बेहद जरूरी है। उनका मानना है कि यदि महिला आरक्षण में अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की महिलाओं के लिए अलग से कोटा सुनिश्चित नहीं किया गया, तब समाज के वंचित वर्गों को इसका पूरा लाभ नहीं मिलेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि महिला सशक्तिकरण तभी सार्थक होगा जब सभी वर्गों की महिलाओं को समान अवसर और प्रतिनिधित्व मिले। महिलाओं की आबादी के अनुपात को ध्यान में रखते हुए उन्हें पर्याप्त हिस्सेदारी मिलनी चाहिए और कमजोर वर्गों की महिलाओं के हितों की विशेष सुरक्षा भी जरूरी है।

यासीन मलिक को मौत की सजा देने की एनआईए की मांग वाली याचिका पर सुनवाई टली

नई दिल्ली (एजेंसी)। कश्मीर के अलगाववादी नेता यासीन मलिक को मौत की सजा देने की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की मांग वाली याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई टली है। अब मामले में 21 जुलाई को सुनवाई होगी। दिल्ली हाईकोर्ट में मलिक की ओर से दाखिल जवाब पर एनआईए ने भी अपना जवाब दाखिल किया। साथ ही कहा कि सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता सुप्रीम कोर्ट में चल रहे सबरीमाला मामले में व्यस्त हैं, इसकारण सुनवाई टाल दी जाए। दिल्ली हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई की तारीख 21 जुलाई तय कर एनआईए के जवाब की कॉपी यासीन मलिक को देने का आदेश दिया है। गौरतलब है कि कि पूरा मामला 2017 के टेरर फंडिंग केस से जुड़ा है, इसमें मलिक पर हवाला, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से फंडिंग और जम्मू-कश्मीर में अशांति फैलाने के आरोप हैं। मलिक को पटियाला हाउस कोर्ट की विशेष अदालत ने 24 मई 2022 को दोषी करार देकर आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इसके बाद एनआईए ने 2023 में फैसले को चुनौती दी थी। एनआईए ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर मलिक को मौत की सजा देने की मांग की है। एनआईए का दावा है कि मलिक ने 1990 के दशक में कई हत्याओं और अपहरणों में भूमिका निभाई, जिसमें वायुसेना के चार अधिकारियों की हत्या भी शामिल है। जांच एजेंसी ने सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों का हवाला देकर कहा कि इसतरह के मामले रेयरेस्ट ऑफ रेयर श्रेणी में आते हैं और मलिक को मौत की सजा मिलनी चाहिए। वहीं, अलगाववादी नेता मलिक ने दिल्ली हाईकोर्ट में हलफनामा दाखिल कर कहा था कि 1990 के बाद से केंद्र में सत्ता में रही छह सरकारों ने कश्मीर मुद्दे के समाधान के लिए मुझसे बात की थी। इसमें वी.पी. सिंह, चंद्रशेखर, पी.वी. नरसिम्हा राव, एच.डी. देवगौड़ा, इंद्रकुमार गुजराल, अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकारें शामिल हैं।

देश में बढ़ रहा तापमान, मध्यप्रदेश समेत कई राज्यों में लू का अलर्ट जारी

-जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और लद्दाख में बारिश या बर्फबारी और चल सकती हैं तेज हवाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ सकता है पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में लू चलने की संभावना है। वहीं दूसरी ओर पश्चिम बंगाल, ओडिशा और दक्षिण भारत के कई इलाकों में गर्मी और उमस लोगों को परेशान कर सकती है। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्र, कोंकण, गोवा, गुजरात और केरल में भी चिपचिपाने वाली गर्मी पड़ेगी। कुछ जगहों पर रात में भी गर्मी बनी रहने के आसार हैं, जिससे लोगों को राहत कम मिलेगी।

मौसम विभाग का कहना है कि इस बार सामान्य से ज्यादा दिन लू चल सकती है। खासतौर पर उत्तर भारत के मैदानी इलाकों, पूर्वी तट और पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों में तापमान 40 डिग्री से ऊपर जा सकता है। गर्मी से बचाव के लिए विभाग लगातार अलर्ट जारी कर रहा है। खासकर बाहर काम करने वाले लोगों जैसे रेहड़ी-पटरी वाले और खेतों में काम करने वाले मजदूरों को मोबाइल और अन्य माध्यमों से जानकारी दी जा रही है, ताकि वे सावधानी बरत सकें। जहां एक तरफ गर्मी बढ़ रही है, वहीं देश के कुछ हिस्सों में मौसम बदलने के संकेत भी हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और लद्दाख में बारिश या बर्फबारी के साथ गरज-चमक और तेज हवाएं चल सकती हैं। पूर्वोत्तर राज्यों जैसे असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड और मणिपुर में भी आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और विदर्भ के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश और तेज हवाएं चल सकती हैं, जिससे थोड़ी राहत मिल सकती है।

दिल्ली में आने वाले दिनों में गर्मी और तेज होगी। मौसम विभाग के मुताबिक अगले पांच दिनों में अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री बढ़ सकता है, जिससे हीटवेव जैसे हालात बनेंगे। इस दौरान तापमान सामान्य से ऊपर या काफी ज्यादा रह सकता है। मौसम विभाग ने लोगों को दोपहर के समय धूप में कम निकलने और सावधानी बरतने की सलाह दी है।

मई में नॉर्वे, नीदरलैंड और इटली यात्रा पर जाएंगे पीएम मोदी, शिखर सम्मेलन में लेंगे भाग

दौरे का उद्देश्य यूरोपीय संघ के साथ व्यापारिक और रणनीतिक संबंधों को मजबूत करना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी मई के मध्य में यूरोप की एक सप्ताह की यात्रा पर जाने वाले हैं। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य यूरोपीय संघ के साथ व्यापारिक और रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करना और महाद्वीप के साथ भारत की बढ़ती भागीदारी को नई दिशा देना है। इस यात्रा में पीएम मोदी कई विदेश दौरे करेंगे। वे नॉर्वे, नीदरलैंड और इटली भी जाएंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी की यात्रा का एक प्रमुख पड़ाव नॉर्वे की राजधानी ओस्लो होगा, जहां वे तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। इस सम्मेलन में स्वीडन, डेनमार्क, फिनलैंड और आइसलैंड के नेता भी शामिल होंगे। इससे पहले यह सम्मेलन 2018 में स्टॉकहोम और 2022 में कोपेनहेगन में हो चुका है। नॉर्वे यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ का एक अहम सदस्य है। अक्टूबर 2025 में लागू हुए भारत-ईएफटीए व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौते के बाद इस दौरे की अहमियत काफी बढ़ गई है।

इस समझौते के तहत ईएफटीए देशों ने अगले 15 सालों में भारत में 100 अरब डॉलर का निवेश करने का वादा किया है, जिससे देश में करीब 10 लाख नए रोजगार पैदा होंगे। साथ ही इससे कपड़ा, चमड़ा और खाद्य उत्पादों के क्षेत्र में भारतीय निर्यातकों के लिए नए बाजार खुलेंगे। ओस्लो में होने वाली द्विपक्षीय वार्ताओं में हरित ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन, ब्लू इकॉनमी, इनोवेशन, डिजिटलीकरण और आर्कटिक क्षेत्र में सहयोग पर विस्तार से चर्चा होगी।

ओस्लो के बाद पीएम मोदी नीदरलैंड जाएंगे। यहां उनकी पिछली यात्रा 2017 में हुई थी। द हेग जल प्रबंधन, कृषि, तकनीक और आतंकवाद विरोधी प्रयासों में भारत का एक प्रमुख भागीदार रहा है। पिछले साल कुछ कारणों से टल गए कार्यक्रमों और बैठकों की तारीखों को अंतिम रूप दिया जा रहा है, ताकि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत किया जा सके। पीएम मोदी के कार्यक्रम में इटली भी शामिल है। यह उनकी इटली की पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी। हालांकि वे 2021 में जी20 शिखर सम्मेलन और 2024 में जी7 आउटरीच के लिए रोम जा चुके हैं। इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी के साथ उनकी चर्चा का मुख्य केंद्र रक्षा, ऊर्जा और निवेश से जुड़े मुद्दे होंगे। इस बात की भी संभावना है कि पीएम मोदी वेटिकन सिटी का दौरा करें और ईसाई धर्मगुरु पोप से मुलाकात कर सकते हैं।

इस दौरे से एफटीए को तेजी से लागू करने, सप्लाई चेन को विविधतापूर्ण बनाने और स्वच्छ तकनीक के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने में मदद मिलेगी। यूरोप के साथ इस सघन कूटनीति के क्रम में,

पीएम मोदी जून के महीने में फ्रांस भी जाएंगे, जहां वे जी7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। भारत को 2019 से लगातार इस प्रभावशाली समूह के आउटरीच कार्यक्रमों में आमंत्रित किया जाता रहा है, जो वैश्विक स्तर पर भारत के बढ़ते कद को दर्शाता है।

सबरीमाला मंदिर मामले की सुनवाई कर सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हिंदू समाज को एकजुट होना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री और धार्मिक भेदभाव से जुड़े मामले में सुनवाई हुई। जस्टिस वीबी नागरत्ना ने कहा, हिंदू समाज को एकजुट होना चाहिए। दो संप्रदायों में बांटना नहीं चाहिए। वे हमारे मंदिर नहीं आ सकते, हम उनके मंदिर में नहीं जा सकते। यह सोच सही नहीं है। अगर कोई संप्रदाय अपने मंदिर को दूसरों के लिए नहीं खोलता, तब वहां कमजोर हो जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने यह बात ट्रावणकोर देवस्वम बोर्ड के वकील राकेश द्विवेदी की उस बात पर कही, जिसमें कहा गया था कि जहां एक संप्रदाय को दूसरे संप्रदाय के मंदिर में पूजा करने से रोका जा रहा है, जबकि वे वहां जाते भी नहीं। यदि वे जाना चाहें, तब क्या इस काम को सामाजिक सुधार के तहत सही ठहराया जा सकता है। अगर राज्य चाहे कि अन्य संप्रदायों के लोगों को भी अनुमति दी जाए, तब वह सुधार के रूप में कानून बना सकता है। सुप्रीम कोर्ट में 9 जजों की संवैधानिक बेंच सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री से जुड़े मामले पर सुनवाई कर रही है। इसके साथ धार्मिक आस्था के 66 मामले और जुड़े हैं। केरल हाईकोर्ट ने 1991 में सबरीमाला में मासिक धर्म वाली महिलाओं (10-50साल) की एंट्री पर रोक लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में बैन हटा दिया।

चार धामों में व्यापार करने की सिर्फ सनातनी को ही अनुमति दी जाए: टी राजा

-कालसी के हरिपुर को हरिद्वार की तर्ज पर विकसित किया जाए

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा शुरु हो गई है। 19 अप्रैल को गंगोत्री और यमुनोत्री के बाद केदारनाथ धाम के कपाट खुल चुके हैं। 23 अप्रैल को बदरीनाथ धाम के कपाट खोले जाएंगे। हैदराबाद विधायक टी राजा सिंह ने भी चारधाम यात्रा शुरू कर दी है। इससे पहले देहरादून में उन्होंने कहा कि चारों धाम की पवित्रता को बनाए रखने के लिए इन धामों में व्यापार करने के लिए सिर्फ सनातनी को ही अनुमति दी जानी चाहिए, जिससे धामों में थूक जिहाद और व्यापार जिहाद की घटनाएं न हों।

हैदराबाद के गोशामहल से विधायक टी राजा ने यह बात जौनसार बावर के प्रवेश द्वार हरिपुर स्थित यमुना हरिघाट से चारधाम यात्रा की शुरुआत के दौरान कही। उन्होंने हरिपुर में यमुना पर हरिघाट के निर्माण के लिए उत्तराखंड सरकार की तारीफ

करते हुए कहा कि इससे हरिपुर कस्बे को उसका पुराना वैभव मिलेगा। विधायक ने कहा कि हरिद्वार और चारधाम में गैर-हिंदुओं को प्रतिबंधित करना उत्तराखंड सरकार का सराहनीय कदम है। उन्होंने कहा कि कालसी के हरिपुर को हरिद्वार की तर्ज पर विकसित किया जाए। मान्यता है कि पूर्व में चार धाम यात्रा की शुरुआत हरिपुर के यमुना घाट से ही होती थी, जो किसी कालखंड में बंद हो गई थी, लेकिन अब घाट के बनने से यह दोबारा शुरू हो सकती है जिससे यहां के विकास के साथ ही स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

चारधाम यात्रा में पर्वतीय क्षेत्रों के लोगों को आवाजाही में होने वाली दिक्कतों को देखते हुए परिवहन विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। आरटीओ प्रशासन ने रोटेशन से जुड़ी बस कंपनियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने बेड़े की 40 फीसदी बसों का संचालन लोकल रूटों पर करें। चारधाम यात्रा के पीक सीजन में बस कंपनियां अधिकांश बसें यात्रा रूटों पर लगा देती हैं, जिससे ग्रामीण रूटों पर परिवहन सेवा ठप हो जाती है। आरटीओ प्रशासन ने बताया कि रोटेशन से जुड़ी सभी बस कंपनियों को निर्देशित किया गया है कि गांवों के रूटों पर समय पर बस सेवा मिले।

चारधाम यात्रा के मद्देनजर चमोली पुलिस की ओर से बदरीनाथ धाम में सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद कर दिया गया है। सभी प्रवेश मार्गों, प्रमुख स्थलों और संवेदनशील क्षेत्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। साथ ही सीसीटीवी कैमरों के जरिए सतत निगरानी रखी जा रही है तथा नियमित चेकिंग अभियान चलाए जा रहे हैं।

बंगाल चुनाव में महिला मतदाता इस बार ममता सरकार का बुरा हाल करने वाली : सैनी

इंडिया गठबंधन को प्रियंका गांधी वाड्रा ही चला सकती

गुरुग्राम (एजेंसी)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुग्राम में बयान देकर पश्चिम बंगाल की राजनीति और विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधकर कहा कि आगामी चुनावों में राज्य की जनता उनका ÷बहुत बुरा हाल÷ करने वाली है। सीएम सैनी के अनुसार, बंगाल की महिला मतदाता ऐसी सरकार चाहती हैं जो उन्हें सम्मान और 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करे, जबकि उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार इस दिशा में काम करने को इच्छुक नहीं है। सीएम सैनी ने कांग्रेस पर भी तीखा प्रहार किया और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई टिप्पणी को 'निराशा का प्रतीक÷ बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास देश को विकसित बनाने के लिए दशकों का समय था, लेकिन कांग्रेस वहां स्वर्णिम मौका गंवा दिया गया। उनके अनुसार, आज कांग्रेस के पास न ठोस मुद्दे हैं और न ही व्यापक जनसमर्थन, जिसके कारण वह व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति तक सीमित होकर रह गई है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की सराहना कर सीएम सैनी ने कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने महिलाओं के सशक्तिकरण को केंद्र सरकार की प्रमुख उपलब्धि बताया। उनके अनुसार, खेलों में बेटियों की सफलता, सेना में महिलाओं की भागीदारी और विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं परिवर्तन का प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि शौचालय निर्माण और आवास योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार आया है। गुरुग्राम में आयोजित हरियाणा कैबिनेट बैठक में 27 अप्रैल को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने का निर्णय लिया गया। इस सत्र में ÷हरियाणा क्लेरिकल सर्विसेज बिल, 2026' पेश किया जाएगा। साथ ही, 'नारी शक्ति वंदन' से जुड़े मुद्दे पर विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाने की संभावना भी जाहिर की गई है।

वहीं अपने संबोधन के अंत में सीएम सैनी ने 22 अप्रैल 2025 को हुए पहलगाम आतंकी हमला को याद करते हुए पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि देश इस तरह के कायरतापूर्ण हमलों को कभी नहीं भूलेगा और आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर मजबूती से खड़ा रहेगा।

उम्मीदवार बटन पर रंग, स्याही, परफ्यूम, केमिकल लगाना या छिपाना अपराध

ईवीएम बटनों से छेड़छाड़ रोकने चुनाव आयोग ने जारी किए कड़े निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता, (ईएमएस)। भारत के चुनाव आयोग ने विधानसभा चुनावों के मद्देनजर मतदान केंद्रों पर तैनात पीठासीन अधिकारियों को कई कड़े निर्देश जारी किए हैं। ये निर्देश मुख्य रूप से ईवीएम के बटनों के साथ होने वाली छेड़छाड़ को रोकने और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने दिए गए हैं। ये हैं ईवीएम बटनों से छेड़छाड़ रोकने के लिए सख्त नियम जिसमें बैलट यूनिट पर लगे हर उम्मीदवार के बटन पूरी तरह से खुलकर और साफ-साफ दिखाई देने चाहिए। किसी भी बटन को टेप, गोंद, चिपकने वाले पदार्थ या किसी अन्य सामग्री से ढकना या छिपाना पूरी तरह प्रतिबंधित है।

आयोग का कहना है कि मतदाता को अपना वोट डालने में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए और यह तय होना चाहिए कि कोई भी बटन जानबूझकर छिपाकर मतदान को प्रभावित न किया जाए।

बैलट यूनिट के उम्मीदवार बटन पर किसी भी प्रकार का रंग, स्याही, परफ्यूम, केमिकल या अन्य कोई पदार्थ लगाना निषिद्ध है। ऐसा करने का उद्देश्य वोट की गोपनीयता भंग करना हो सकता है, इसलिए इसे गंभीरता से लिया जाएगा। कभी-कभी कुछ लोग बटन पर ऐसे पदार्थ लगाकर बाद में पता लगाने की कोशिश करते हैं कि किस बटन को दबाया गया था, जिससे मतदान की गोपनीयता खतरे में पड़ जाती है। आयोग इसे वोट की पवित्रता पर हमला मानता है।

यदि प्रिसाइडिंग अधिकारी को मतदान केंद्र पर ऊपर बताई गई कोई भी बात नजर आए, जैसे बटन ढका हुआ हो या उस पर कोई पदार्थ लगा हो तो उन्हें तुरंत सेक्टर अधिकारी या रिटर्निंग अधिकारी को सूचित करना होगा। आयोग ने साफ कहा कि ऐसे सभी मामले को ईवीएम से छेड़छाड़ माना जाएगा जो चुनावी अपराध है। आयोग ने चेतावनी दी है कि वह ऐसे दोषियों के खिलाफ सख्त फौजदारी कार्रवाई करने में बिल्कुल नहीं हिचकेगा।

पीठासीन अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि यदि उन्हें मतदान केंद्र पर ऐसी किसी भी संदिग्ध घटना का पता चलता है, तो वे बिना देरी किए संबंधित रिटर्निंग ऑफिसर को इसकी सूचना दें। यदि किसी बूथ पर ऐसी घटना की पुष्टि होती है, तो आयोग वहां पुनर्मतदान का आदेश भी दे सकता है। चुनाव आयोग के ये निर्देश पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में होने वाले मतदान से ठीक पहले लागू किए गए हैं। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में गुरुवार 23 अप्रैल को मतदान होगा। बंगाल में दो चरणों में चुनाव हो रहा है। दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा।

वहीं केरल, पुडुचेरी और असम में इस महीने की शुरुआत में ही मतदान प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इन सभी राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजे 4 मई को घोषित किए

जाएंगे। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया है कि चुनाव संपन्न कराने में लगे किसी भी अधिकारी की ओर से यदि कोई लापरवाही, कदाचार, पक्षपात या विफलता पाई जाती है तो इसे बेहद गंभीरता से लिया जाएगा। चूक की गंभीरता के आधार पर कानून के तहत कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

खजूरी: गैस एजेंसी का बड़ा फर्जीवाड़ा उजागर, बिना सिलेंडर दिए ही रिकॉर्ड में दिखा दी डिलीवरी

काछोला की बिरला भारत गैस एजेंसी पर धोखाधड़ी का आरोप, 8 महीने से चक्कर काट रहे उपभोक्ता ने कलेक्टर से की शिकायत

स्मार्ट हलचल | खजूरी

क्षेत्र में उपभोक्ता हितों के साथ खिलवाड़ और धोखाधड़ी का एक बेहद गंभीर मामला सामने आया है। काछोला स्थित 'बिरला भारत गैस एजेंसी' पर एक उपभोक्ता को बिना गैस सिलेंडर दिए ही रिकॉर्ड में फर्जी डिलीवरी दिखाने का आरोप लगा है। इस खुलासे के बाद एजेंसी की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में आ गई है।

8 महीने से काट रहा था चक्कर, टालमटोल कर रही थी एजेंसी:

जानकारी के अनुसार, शक्करगढ़ निवासी उपभोक्ता मुकेश कुमार (पुत्र मोतीलाल खटीक) ने काछोला स्थित बिरला भारत गैस एजेंसी के खिलाफ यह सनसनीखेज शिकायत दर्ज कराई है।

पीड़ित मुकेश का आरोप है कि पिछले 7-8 महीनों से उसे एजेंसी द्वारा गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराया गया है। वह लगातार सिलेंडर के लिए एजेंसी के चक्कर लगाता रहा, लेकिन हर बार उसे टालमटोल कर खाली हाथ वापस भेज दिया गया।

ऑनलाइन स्टेटस चेक किया तो उड़े होश:

मामले ने उस समय गंभीर मोड़ ले लिया, जब परेशान होकर

उपभोक्ता मुकेश कुमार ने 23 अप्रैल 2026 (गुरुवार) को अपनी गैस बुकिंग की ऑनलाइन स्थिति की जांच करवाई। रिकॉर्ड देखकर उसके होश उड़ गए, क्योंकि एजेंसी के रिकॉर्ड में 10 अप्रैल 2026 को ही उसके नाम पर गैस सिलेंडर की डिलीवरी दर्शा दी गई थी। जबकि हकीकत में उसे कोई सिलेंडर मिला ही नहीं था।

कलेक्टर से की सख्त कार्रवाई की मांग:

पीड़ित ने आरोप लगाया है कि एजेंसी द्वारा कागजों में फर्जी तरीके से डिलीवरी दिखाकर उपभोक्ताओं के साथ खुलेआम धोखाधड़ी की जा रही है और गैस की कालाबाजारी का अंदेशा है। इस संबंध में पीड़ित ने जिला कलेक्टर को लिखित शिकायत सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

इस घटना के सामने आने के बाद क्षेत्र में यह बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि क्या अन्य गरीब और सीधे-सादे उपभोक्ता भी इस तरह की धोखाधड़ी का शिकार हो रहे हैं? यदि प्रशासन द्वारा इस मामले की व्यापक स्तर पर जांच की जाती है, तो कई और बड़े फर्जीवाड़े सामने आ सकते हैं।

नव दिवसीय धार्मिक आयोजन का भव्य शुभारंभ

स्मार्ट हलचल | सहाड़ा

क्षेत्र के गुंदली गांव स्थित भगवान देवनारायण एवं चामुण्डा माता मंदिर में नवकुण्डीय विष्णु महायज्ञ और कलश स्थापना के साथ 9 दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का गुरुवार को भव्य शुभारंभ हुआ। आयोजन की शुरुआत आकर्षक कलश यात्रा के साथ की गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

समाजसेवी रतन लाल चौहान ने बताया कि यह धार्मिक आयोजन राम दरबार मंदिर घोड़ास के महंत मंगलदास महाराज के सानिध्य में आयोजित किया जा रहा है। सुबह मंदिर प्रांगण में विधिवत पूजा-अर्चना के बाद कलश यात्रा निकाली गई, जो गांव के मुख्य मार्गों से होते हुए पुनः मंदिर परिसर पहुंची।

कलश यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। मंदिर पहुंचने पर महाआरती का आयोजन किया गया तथा प्रसाद वितरण किया गया।

इस अवसर पर सवाईभोज मंदिर के महंत सुरेशदास महाराज, महंत मंगलदास महाराज, पूर्व मंत्री कालूलाल गुर्जर, सरपंच शंभूलाल गुर्जर, पुजारी नानुराम गुर्जर, गोपीलाल गुर्जर सहित बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष मौजूद रहे। धार्मिक आयोजन को लेकर गांव में उत्साह और भक्तिमय माहौल बना हुआ है।

शाहपुरा पुलिस का भैंस चोरों पर शिकंजा: 50 सीसीटीवी और 5000 मोबाइल नंबर खंगाल कर 2 आरोपियों को दबोचा

5 भैंसों की हुई थी चोरी, वारदात में प्रयुक्त पिकअप जब्त, अन्य साथियों व भैंसों की बरामदगी के प्रयास जारी

स्मार्ट हलचल | शाहपुरा

जिले की शाहपुरा थाना पुलिस ने फतेहपुरा गांव से हुई 5 भैंसों की चोरी की बड़ी वारदात का पर्दाफाश करते हुए दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त एक पिकअप वाहन भी जब्त कर लिया है। इस मामले को सुलझाने के लिए पुलिस टीम ने तकनीकी अनुसंधान का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए 50 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले और बीटीएस के जरिए करीब 5000 मोबाइल नंबरों की जांच कर आरोपियों तक पहुंचने में सफलता हासिल की।

फतेहपुरा से चुराई थीं 5 भैंसें:

पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार संपति संबंधी अपराधों पर रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की

गई। शाहपुरा थानाधिकारी सुरेश चन्द्र ने बताया कि प्रार्थी रामजस (पुत्र माधु गुर्जर, निवासी फतेहपुरा) ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि रात के समय अज्ञात चोर बाड़े से उसकी 5 भैंसें चुरा कर ले गए हैं। पुलिस ने बीएनएस की धारा 303(2) के तहत प्रकरण (संख्या 104/2026) दर्ज कर जांच शुरू की।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य व वृत्ताधिकारी ओम प्रकाश के सुपरविजन में गठित टीम ने घटनास्थल और उसके आसपास के रास्तों के 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरे चेक किए। इसके साथ ही घटनास्थल की बीटीएस डंप लेकर वहां उस समय सक्रिय रहे करीब 5 हजार से अधिक मोबाइल नंबरों का डेटा खंगाला गया। संदिग्ध नंबरों की पहचान कर पूछताछ की गई, जिसके बाद वारदात का खुलासा हुआ।

ये आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे:

पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद इस चोरी की वारदात में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया: नाहर खां (36) पुत्र शोखत खां कायमखानी, निवासी प्रतापपुरा (थाना शाहपुरा)। इरफान खां कायमखानी (28) पुत्र चिराग खान कायमखानी, निवासी शाहपुरा। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल की गई पिकअप को भी जब्त कर लिया है। फिलहाल गिरफ्तार दोनों आरोपियों से भैंस चोरी की घटना में संलिप्त उनके अन्य साथियों और चुराई गई भैंसों की बरामदगी को लेकर गहन पूछताछ की जा रही है।

इस उत्कृष्ट कार्रवाई में शाहपुरा थानाधिकारी सुरेशचन्द के नेतृत्व में हैड कांस्टेबल महेन्द्र सिंह, कांस्टेबल जोगेन्द्र सिंह और कांस्टेबल शाहीद की अहम भूमिका रही।

भीलवाड़ा में ऑनलाइन सट्टा/जुआ एवं भ्रामक विज्ञापनों का बड़ा खुलासा

संजय दत, सुनील शेट्टी, उर्वशी रौतेला सहित कई दिग्गज अभिनेताओं के विरुद्ध उपभोक्ता कानून के तहत जिला प्रशासन को शिकायत पेश

स्मार्ट हलचल

गुरला। भीलवाड़ा निवासी एवं पब्लिक पावर एंड अवेयरनेस सोसायटी के अध्यक्ष श्री गोटू सिंह राजपूत द्वारा जिला कलेक्टर एवं प्राधिकृत अधिकारी, भीलवाड़ा के समक्ष उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के अंतर्गत एक गंभीर शिकायत प्रस्तुत की गई है, जिसमें देशभर में संचालित हो रहे ऑनलाइन सट्टा, जुआ एवं भ्रामक विज्ञापन नेटवर्क का बड़ा खुलासा किया गया है।

शिकायत में बताया गया है कि कई वेबसाइट्स आम उपभोक्ताओं को लुभावने व झूठे वादों द्वारा गुमराह किया जा रहा है। इन प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिदिन करोड़पति बनने के झूठे सपने दिखाकर लोगों को अवैध सट्टा गतिविधियों में फंसाया जा रहा है।

सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि इन भ्रामक विज्ञापनों में देश के प्रसिद्ध फिल्म कलाकार भी जुआ सट्टा के विज्ञापन करके आमजन के विश्वाश का फायदा उठा रहे हे! जिससे उपभोक्ता आसानी से इनके जाल में फंस जाते हैं। शिकायत के अनुसार यह पूरा नेटवर्क अवैध ऑनलाइन जुआ/सट्टा गतिविधियों में संलिप्त है, जो भारतीय कानूनों के विरुद्ध है। संबंधित कंपनियों के पास न तो वैध

पंजीकरण है, न जीएसटी और न ही कोई अधिकृत बैंकिंग व्यवस्था। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स फेसबुक इंस्टाग्राम यूट्यूब आदि के माध्यम से बड़े स्तर पर भ्रामक प्रचार किया जा रहा है।

हजारों उपभोक्ता अपनी मेहनत की कमाई गंवा चुके हैं, जिससे आर्थिक व मानसिक नुकसान हो रहा है। यह कृत्य उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019के तहत 'भ्रामक विज्ञापन ' की श्रेणी में आता है, जो दंडनीय अपराध है। शिकायतकर्ता ने जिला प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की गंभीर जांच कराई जाए। सभी भ्रामक विज्ञापनों एवं वेबसाइट्स को तुरंत बंद कराया जाए। दोषी व्यक्तियों/कंपनियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएं। यह मामला केवल भीलवाड़ा ही नहीं बल्कि पूरे देश के उपभोक्ताओं से जुड़ा हुआ है, जहां डिजिटल माध्यम से संगठित तरीके से ठगी की जा रही है। यदि समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो यह समस्या और विकराल रूप ले सकती है।

अभिनेताओं पर हो सकता हे 10-10 लाख तक का जुर्माना

अधिवक्ता कु लक्ष्मी एवं मुकेश शर्मा ने बताया कि इस तरह के भ्रामक विज्ञापन करने, जिला कलेक्टर की जांच के आधार पर केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण अथोरिटी द्वारा प्रथम बार में 10 लाख रुपए तक का जुर्माना किया जा सकता हे!

ग्राम विकास अधिकारी संघ उप शाखा के चुनाव सम्पन्न

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर। ग्राम विकास अधिकारी संघ (उप शाखा) के चुनाव शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए। चुनाव अधिकारी सुख लाल जाट के नेतृत्व में पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से संपन्न कराई गई, जिसमें कई पदों पर निर्विरोध चयन हुआ।

चुनाव के दौरान राकेश कुमार चौधरी को सर्वसम्मति से अध्यक्ष मनोनीत किया गया। उपाध्यक्ष पद पर अभिषेक परिहार, ब्लॉक मंत्री के रूप में फूलसिंह मीना, ब्लॉक मंत्री (आईटी) के रूप में शंकर गुर्जर, कोषाध्यक्ष पद पर सियाराम मीना, संयुक्त मंत्री के रूप में पिंकी मीना, संगठन मंत्री हिमांशु हाड़ा, मीडिया प्रभारी जीतराम चौधरी तथा जिला प्रतिनिधि के रूप में सत्यनारायण शर्मा को जिम्मेदारी सौंपी गई।

इस अवसर पर विकास अधिकारी सीताराम मीना भी उपस्थित रहे। उन्होंने नवगठित कार्यकारिणी को बधाई देते हुए संगठन को मजबूत बनाने और कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

नव-निर्वाचित पदाधिकारियों ने संघ के हितों की रक्षा, सदस्यों की समस्याओं के समाधान तथा विकास कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प व्यक्त किया।

ए.एन.टी.एफ की ताबड़तोड़ कार्रवाई से नशा तस्करों में हड़कंप

एक ही दिन में दो बड़ी कार्रवाई, अफीम व डोडा पोस्त बरामद, तीन आरोपी गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल | पुनित चपलोत

भीलवाड़ा। जिले में नशा तस्करी के खिलाफ एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ए.एन.टी.एफ) की लगातार कार्रवाई से तस्करों की कमर टूटती नजर आ रही है। ए.एन.टी.एफ के उप महानिरीक्षक अभिजीत सिंह ने बताया कि अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एम.एन. के निर्देशन में अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में भीलवाड़ा टीम ने एक ही दिन में दो बड़ी कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थ बरामद कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पहली कार्रवाई में अफीम

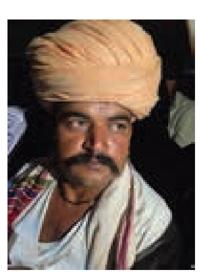

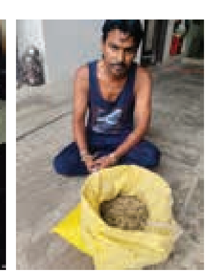

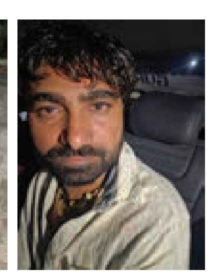

बरामद, कार जब्त-

ए.एन.टी.एफ को सूचना मिली कि महिंद्रा एक्सयूवी 3 एक्सओ कार (जीजे 27 ईएफ 1745) में अवैध अफीम ले जाई जा रही है। इस पर टीम ने आसींद पुलिस के साथ निम्बाहेड़ा बायपास पर नाकाबंदी की। संदिग्ध कार को रोककर तलाशी लेने पर 1.27 किलोग्राम अफीम बरामद हुई। पुलिस ने कार जब्त कर रतनलाल (30) व पारस नाथ (40) निवासी देवथड़ी, थाना करेड़ा को गिरफ्तार किया।

दूसरी कार्रवाई में डोडा पोस्त जब्त-

दूसरी कार्रवाई में ए.एन.टी.एफ को सूचना मिली कि शाहपुरा क्षेत्र के रहड़ गांव में एक व्यक्ति के घर पर मादक पदार्थ छुपाकर रखा गया है। टीम ने स्थानीय पुलिस के साथ छापेमारी कर आरोपी रज्जाक मंसुरी (50) के घर से 1.249 किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार दोनों मामलों में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच जारी है। जिले में नशा तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

बिजौलिया में छात्र से मारपीट और जातिगत अपमानित करने का आरोप

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ। बिजौलिया क्षेत्र में एक छात्र के साथ कथित मारपीट और जातिगत अपमान का मामला सामने आया है। केसुविलास निवासी कक्षा 9वीं के छात्र सिद्धार्थ मीणा ने ब्लॉक शिक्षा अधिकारी और उपखंड अधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपकर कस्बे के एक निजी स्कूल के शिक्षक पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

प्रार्थना पत्र के अनुसार, घटना गुरुवार सुबह करीब 9 बजे की बताई जा रही है। छात्र का आरोप है कि वह बिना यूनिफॉर्म के स्कूल पहुंचा था, जिस पर शिक्षक मिठू लाल शर्मा ने उसे एक कमरे में ले जाकर दरवाजा बंद कर दिया और लकड़ी से मारपीट की। छात्र का कहना है कि मारपीट इतनी गंभीर थी कि वह बेहोश हो गया।

पीड़ित छात्र ने आरोप लगाया कि शिक्षक ने उसके कान पर भी वार किया, जिससे उसे सुनाई देने में परेशानी हो रही है। साथ ही, मारपीट के दौरान कथित रूप से जातिगत अपशब्दों का प्रयोग करते हुए उसे शिक्षा ग्रहण करने के अधिकार से

वंचित करने जैसी बातें कही गईं।

छात्र ने बताया कि उसके शरीर पर चोट के निशान मौजूद हैं और घटना के बाद उसकी हालत बिगड़ गई। उसने उपखण्ड अधिकारी से तत्काल मेडिकल परीक्षण करवाने और आरोपी शिक्षक के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। इस विषय में सीबीईओ मालीराम यादव के कहना है कि छात्र की शिकायत पर जांच कमेटी गठित कि है। पीईओ दिलीप सिंह को जांच कमेटी इंचार्ज बनाया गया है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद ही आगे कि कार्रवाई की जा सकेगी।

कांग्रेस ओबीसी विभाग में संगठन विस्तार: कमलेश गुर्जर बने ब्लॉक अध्यक्ष

स्मार्ट हलचल

मांडलगढ़। जिला कांग्रेस कमेटी के ओबीसी विभाग द्वारा संगठन विस्तार करते हुए नई नियुक्तियां की गई हैं। इसी कड़ी में ग्राम पंचायत गेणोली के बिहारिपुरा निवासी कमलेश गुर्जर को कांग्रेस ओबीसी विभाग का मांडलगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

छात्र राजनीति से रहे हैं सक्रिय:

नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष

कमलेश गुर्जर पूर्व में छात्रसंघ महासचिव और सरपंच पद के प्रत्याशी भी रह चुके हैं। क्षेत्र में युवाओं और ओबीसी वर्ग के बीच उनकी अच्छी पकड़ मानी जाती है। उनकी यह नियुक्ति राजस्थान सरकार के पूर्व मंत्री रामलाल जाट की अनुशंसा पर की गई है। गुर्जर को ब्लॉक अध्यक्ष बनाए जाने पर क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं और उनके समर्थकों में हर्ष की लहर है।

शीर्ष नेतृत्व का जताया आभार:

मांडलगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष पद का महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे जाने पर कमलेश गुर्जर ने पूर्व मंत्री रामलाल जाट, कांग्रेस महासचिव और कांग्रेस ओबीसी जिलाध्यक्ष राजेन्द्र कुमावत सहित पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वे पार्टी संगठन को मजबूत करने, राज्य सरकार की विफलताओं को जनता तक पहुंचाने और ओबीसी वर्ग के हितों की रक्षा के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे।

वन विभाग की कार्रवाई अवैध लकड़ी से भरे तीन ट्रैक्टर ट्राली जप्त

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। क्षेत्र में वन विभाग ने अवैध वन संपदा की तस्करी के खिलाफ एक सटीक और योजनाबद्ध कार्रवाई करते हुए तीन ट्रैक्टर ट्रॉली को जब्त किया । वनपाल कमलेश कुमार रेगर ने बताया कि राजस्थान वन अधिनियम 1957 की 41 व 42 के तहत कार्रवाई करते हुए बुधवार मध्य रात्रि बाद नदराय गांव के पास लकड़ियां भरे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जप्त किया, चालक ट्रैक्टर को रास्ते में ही छोड़कर भाग गया । वही दुसरी कार्रवाई भी मध्य रात्रि को नदराय क्षेत्र के मरड़ा की झोपड़ियां के पास की, यहां पर दो ट्रैक्टर ट्रॉली में अवैध लकड़ियां से भरी थी, जिसको चालक सड़क पर ही छोड़ गए । इस पर वन विभाग की टीम ने राजस्थान वन अधिनियम की 1957 की धारा 41 व 42 के तहत बिना टीपी के अवैध रुप से लकडी का परिवहन किया पाया गया । तीनों ट्रैक्टरों को डिटेन कर जावल वन चौकी पर लाया गया । जहां मामले दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया । पांच दिनों में वन विभाग की टीम ने दुसरी कार्रवाई की।

जयशंकर ने भारत-अफ्रीका फोरम समिट का लोगो लॉन्च किया

स्मार्ट हलचल | नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने 23 अप्रैल को नई दिल्ली में आगामी भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन-IV के लोगो, थीम और वेबसाइट का आधिकारिक अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने अफ्रीका को भारत की विदेश नीति का मुख्य हिस्सा बताया और कहा कि यह साझेदारी समानता, पारस्परिक सम्मान और साझा प्रगति पर आधारित है।

यह सम्मेलन 28 से 31 मई 2026 तक नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। शिखर सम्मेलन के

लोगो में शेर को प्रमुखता से दर्शाया गया है, जिसे भारत और अफ्रीका के आपस में जुड़े हुए मानचित्रों पर रखा गया है। यह दोनों क्षेत्रों के बीच गहरे संबंधों और साझा शक्ति का प्रतीक है। वहीं इस बार की थीम 'स्थायी साझेदारी, साझा दृष्टिकोण' रखी गई है।

इस मौके पर डॉ. जयशंकर ने कहा कि आज भारत की विदेश नीति में अफ्रीका का स्थान केंद्रीय है। उन्होंने इस अवसर को भारत-अफ्रीका संबंधों के लिए 'नवीनीकरण का मौसम' बताया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा आगामी शिखर सम्मेलन हमारी साझेदारी के अगले चरण को आकार देगा - एक ऐसा चरण, जो अधिक महत्वाकांक्षी, अधिक समावेशी और अधिक भविष्य-उन्मुख होगा। यह हमें सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करने, सफल अनुभवों को साझा करने और साझा चुनौतियों पर चर्चा करने में सक्षम बनाएगा।

विदेश मंत्री ने डिजिटल, फिनटेक और नवाचार के नए क्षेत्रों में भारत-अफ्रीका जुड़ाव के विस्तार पर भी बात की, जो पूरे अफ्रीकी महाद्वीप की अर्थव्यवस्थाओं को नया आकार दे रहा है। उन्होंने वैश्विक शासन में अफ्रीका के उचित स्थान के लिए भारत के निरंतर समर्थन को भी दोहराया, जो भारत की 2023 की जी20 अध्यक्षता के दौरान एयू को शामिल करने से प्रदर्शित भी हुआ है।

डॉ. जयशंकर ने कहा अफ्रीका में भारत की बढ़ती कूटनीतिक उपस्थिति, अफ्रीका के हर क्षेत्र के साथ जुड़ने की हमारी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। साथ मिलकर, भारत और अफ्रीका न केवल विकास में भागीदार हैं, बल्कि हम एक बेहतर दुनिया को आकार देने में भी भागीदार हैं।

बाल पर्यावरण योद्धा 'ग्रीन लिटिल बेबी' श्रेया कुमावत पर बनी डॉक्यूमेंट्री का सफल समापन, कांग्रेस नेताओं के सहयोग से मिला अभियान को बल

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक प्रेरणादायक पहल के तहत 'ग्रीन लिटिल बेबी' के नाम से पहचान बना चुकी बाल पर्यावरण योद्धा श्रेया कुमावत पर आधारित विशेष डॉक्यूमेंट्री फिल्म का निर्माण भारती फिल्म प्रोडक्शन द्वारा किया गया, जिसकी शूटिंग का आज सफलतापूर्वक समापन हो गया।

कम उम्र में ही श्रेया कुमावत ने जिस समर्पण और जुनून के साथ पर्यावरण संरक्षण को अपना लक्ष्य बनाया है, वह पूरे समाज के लिए एक प्रेरणा बन गया है। वेस्ट (कचरे) से जैविक खाद तैयार करना, कम पानी में पौधारोपण के नवीन तरीके अपनाना, घर-घर जाकर लोगों को पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करना तथा पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना ये सभी प्रयास न केवल सराहनीय हैं, बल्कि समाज के लिए अनुकरणीय उदाहरण भी प्रस्तुत करते हैं।

इस डॉक्यूमेंट्री में श्रेया के इन नवाचारों और उनके अथक परिश्रम को प्रभावी ढंग से दर्शाया गया है, ताकि अधिक से अधिक लोग प्रेरित होकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सक्रिय भागीदारी निभा सकें। पिछले 7 दिनों से लगातार विभिन्न स्थानों पर चली शूटिंग में श्रेया के कार्यों को वास्तविक रूप में फिल्माया गया है।

इस प्रेरणादायक कार्य को साकार रूप देने में जनप्रतिनिधियों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। जब श्रेया कुमावत को आर्थिक सहयोग की आवश्यकता पड़ी, तब कांग्रेस विधायक प्रत्याशी नरेंद्र कुमार रैगर, नगर कांग्रेस अध्यक्ष रमेश सेन एवं ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष महावीर कुमावत ने आगे बढ़कर न केवल आर्थिक सहयोग प्रदान किया, बल्कि इस सामाजिक अभियान को मजबूती देने का कार्य भी किया।

विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि जब श्रेया के पिता रामधन कुमावत ने शहरवासियों से सहयोग की अपील की, तो कांग्रेस नेताओं ने संवेदनशीलता दिखाते हुए तुरंत हर स्तर पर सहायता उपलब्ध कराई। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि भविष्य में भी ऐसे प्रतिभावान और समाजहित में कार्य करने वाले बच्चों को हरसंभव सहयोग दिया जाएगा। डॉक्यूमेंट्री निर्माण से जुड़े सदस्यों के अनुसार, यह फिल्म समाज के हर वर्ग के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगी और विशेष रूप से बच्चों एवं युवाओं को पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने के लिए प्रेरित करेगी।

समापन अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने श्रेया कुमावत के कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि यदि हर बच्चा श्रेया की तरह पर्यावरण संरक्षण के लिए संकल्पित हो जाए, तो निश्चित ही आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ, हरित और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित किया जा सकता है।

यह डॉक्यूमेंट्री शीघ्र ही आमजन के लिए प्रदर्शित की जाएगी, जिससे श्रेया कुमावत की प्रेरणादायक यात्रा जन-जन तक पहुंचे और 'पेड़ लगाओ, धरती बचाओ' का संदेश व्यापक स्तर पर प्रसारित हो सके।

विधायक आक्या सियालीया में शिव परिवार मुर्ति प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में हुए सम्मिलित

स्मार्ट हलचल | ओम जैन

चितौड़गढ़। विधायक चंद्रभान सिंह आक्या गुरूवार को ग्राम सियालीया के धाकड़ मौहल्ले में नव निर्मित मंदिर में आयोजित शिव परिवार मुर्ति प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस दौरान उन्होने शिव प्रतिमा के समक्ष दण्डवत कर सर्वत्र खुशहाली की कामना की। विधायक आक्या ने उपस्थित ग्रामीणजनो को सम्बोधित करते हुए विकास कार्यों में किसी प्रकार की कमी नही आने देने की बात कही।

इस अवसर पर बस्सी ग्रामीण मण्डल अध्यक्ष भंवर सिंह खरड़ी बावड़ी, पूर्व सरपंच किशन सुथार, भंवरलाल धाकड़, रामलाल धाकड़, प्यारचन्द धाकड़, नगजीराम धाकड़, देवीलाल सुथार, भैरूलाल धाकड़, नारायणलाल धाकड़, जगदीश धाकड़, जमनालाल धाकड़, जोधराज धाकड़ सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

पंचायतीराज मंत्रालयिक कर्मचारियों ने सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन, लंबित मांगों पर कार्रवाई की मांग

स्मार्ट हलचल | जहाजपुर (भीलवाड़ा)

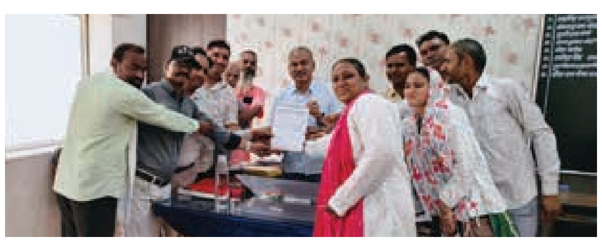

पंचायतीराज मंत्रालयिक कर्मचारियों की विभिन्न लंबित मांगों को लेकर कर्मचारियों ने गुरुवार को विकास अधिकारी, जहाजपुर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कर्मचारियों ने अपनी समस्याओं और मांगों का उल्लेख करते हुए शीघ्र समाधान की मांग की है।

ज्ञापन में बताया गया कि ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग में कार्यरत मंत्रालयिक कर्मचारी लंबे समय से विभिन्न समस्याओं का सामना कर रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि वे सरकार की योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू करने में अहम भूमिका निभाते हैं, इसके बावजूद उनकी मांगों पर अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है।

मुख्य मांगें इस प्रकार हैं: ग्राम पंचायत स्तर पर कनिष्ठ सहायकों के पदनाम परिवर्तन की मांग, जो वर्ष 2018 के निर्णय के बावजूद अब तक लंबित है।

ग्राम विकास अधिकारी एवं कनिष्ठ सहायकों के बीच कार्य विभाजन के साथ वित्तीय अधिकारों में संतुलन स्थापित करने की मांग।

स्थानांतरण नीति में संशोधन कर व्यावहारिक बनाते हुए एकबारगी शिथिलन प्रदान करने की मांग। वर्ष 2013 की भर्ती के बाद नियुक्त कर्मचारियों को नोशनल लाभ देने के लिए एक समान आदेश जारी करने की मांग।

अतिरिक्त कार्यभार के अनुसार कनिष्ठ सहायकों को भी हार्ड ड्यूटी अलाउंस सहित अन्य लाभ देने की मांग। वर्ष 2013 की कनिष्ठ लिपिक भर्ती के शेष 6029 पदों पर शीघ्र नियुक्ति की मांग।

कर्मचारियों ने बताया कि इन मांगों को लेकर पूर्व में भी कई बार उच्च स्तर पर निवेदन किया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई है। इससे कर्मचारियों में निराशा और असंतोष का माहौल बना हुआ है। ज्ञापन के अंत में चेतावनी दी गई है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो कर्मचारियों को मजबूरन आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा, जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

गुन्दली में भक्ति का संगम: भव्य शोभायात्रा के साथ श्रीमद भागवत कथा एवं विष्णु महायज्ञ का शुभारंभ

स्मार्ट हलचल

गुरला/भीलवाड़ा। जिले के गुन्दली ग्राम में आज से भक्ति और अध्यात्म का अनूठा समागम शुरू होने जा रहा है। श्री देवनारायण भगवान एवं चामुंडा माता मंदिर परिसर में आयोजित होने वाले श्रीमद भागवत कथा महोत्सव एवं नवकुंडीय विष्णु महायज्ञ का आगाज आज एक भव्य शोभायात्रा के साथ किया जाएगा।

संतों का रहेगा पावन सानिध्य

कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए गुन्दली प्रशासक शम्भू लाल गुर्जर ने बताया कि इस महोत्सव में संतों का विशेष आशीर्वाद प्राप्त होगा। अंतरराष्ट्रीय मंदिर सवाई भोज (आसींद) के महंत श्री श्री 1008 सुरेश दास जी महाराज एवं श्री राम दरबार मंदिर गोडास चौराहा के श्री श्री 1008 मंगल दास जी महाराज इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

देवी माँ के मुखारविंद से कथा रसपान

प्रख्यात कथा वाचक श्रीदेव साक्षी कृष्णानंद सरस्वती (देवी मां) द्वारा प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक श्रीमद भागवत कथा का वाचन किया जाएगा। कथा के साथ-साथ नवकुंडीय विष्णु महायज्ञ में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान और आहुतियां दी जाएंगी।

भक्तिमय रहेंगी रातें

श्रद्धालुओं के लिए दिन में कथा के साथ-साथ रात्रि में रामलीला का भव्य मंचन किया जाएगा। इसके अलावा, आयोजन समिति द्वारा भक्तों के लिए प्रतिदिन नित्य भंडारे (महाप्रसाद) की समुचित व्यवस्था की गई है।

1 मई को होगा समापन

23 अप्रैल से शुरू होने वाला यह महोत्सव 1 मई 2026 तक चलेगा। समापन के दिन पूर्णाहुति, महाआरती और संत विदाई का भव्य कार्यक्रम आयोजित होगा। समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में भीलवाड़ा सहित आसपास के क्षेत्रों से भारी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है।

भारत विकास परिषद वीर शिवाजी शाखा के नेतृत्व में किया नेत्रदान

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

शहर के अग्रवाल परिवार में गुरुवार सुबह शोक की लहर दौड़ गई, जब कैलाशचंद्र, सुरेशचंद्र, अशोककुमार एवं गोपाललाल अग्रवाल (हमीरगढ़ वाले) की माताजी श्रीमती सागर देवी अग्रवाल (धर्मपत्नी स्व. देवी लाल जी अग्रवाल) का 23 अप्रैल 2026 को निधन हो गया।

दिवंगत के पुत्रों ने माताजी का नेत्रदान कर समाज के सामने एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। इस पुनीत कार्य में हरीश अग्रवाल एवं विवेक गोयल के विशेष प्रयास रहे। नेत्रदान की प्रक्रिया Lions Hospital की टीम द्वारा सम्पन्न की गई।

इस अवसर पर राकेश पगारिया (लायंस हॉस्पिटल) के साथ भारत विकास परिषद के हरीश अग्रवाल, सुभाष मोटवानी, विवेक गोयल, चंद्रशेखर सारस्वत, हुकुम सिंह एवं पंकज अग्रवाल,मनोज अग्रवाल सहित कई गणमान्यजन उपस्थित रहे।

शोकाकुल परिवार में जमना लाल (देवर), प्रहलाद (भतीजा), प्रांजल, वरुण, ऋषि (पौत्र) तथा कविश, मिहित, चिन्नय (पड़ पौत्र) शामिल हैं। समाजजनों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

जागरूकता ही बचाव है, लाइफ स्टाइल बदले और जागरूक बने-आईजी श्रीवास्तव

ऑनलाइन क्विज में भाग लेंगे आमजन, पुलिस की ओर से मिलेगा प्रमाण पत्र

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

उदयपुर रेंज पुलिस द्वारा संचालित अभियान ''साइबर शील्ड'' एवं ''जीवन रक्षा अभियान-एक सुरक्षित सफर की ओर'' के तहत साइबर अपराधों की रोकथाम, सड़क सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन विषय पर रेंज स्तरीय कार्यशाला का आयोजन गुरुवार को उदयपुर के पुलिस लाइन सभागार में किया गया। उदयपुर रेंज पुलिस और यूनिसेफ राजस्थान के साझे में आयोजित इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक उदयपुर रेंज गौरव श्रीवास्तव रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री हर्ष रतनू ने की। आईजी गौरव श्रीवास्तव ने इस अभिनव पहल की जानकारी देते हुए कहा कि जिस प्रकार हमने कोरोना जैसी महामारी में अपनी लाइफ स्टाइल को बदला और जागरूकता का परिचय दिया, उसी प्रकार साइबर अपराध व सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जागरूकता ही बचाव है और इसके लिए अपनी लाइफ स्टाइल को बदलते हुए नियमों का भलीभंति पालन करना होगा। वर्तमान समय में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं, ऐसे में आमजन को सतर्क और जागरूक रहना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने ''साइबर शील्ड'' अभियान के माध्यम से डिजिटल सुरक्षा, ऑनलाइन ठगी से बचाव एवं सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही ''जीवन रक्षा अभियान'' के अंतर्गत सड़क सुरक्षा नियमों की पालना, हेलमेट व सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, ओवरस्पीडिंग से बचाव तथा यातायात नियमों के प्रति जिम्मेदारी पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने इस अभियान को जनमानस का अभियान बताते हुए हर वर्ग को सक्रिस भागीदारी निभाते हुए जागरूकता का परिचय देने का आह्वान किया। इस अभियान के तहत तैयार किये गये ऑनलाइन क्विज फॉरमेट एवं क्विज समाप्ति के बाद संबंधित जिले के पुलिस अधीक्षक के हस्ताक्षर से जारी होने वाले प्रमाण पत्र के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी, पुलिस मित्र, सुरक्षा सखी, यूथ सीएलजी सहित हर व्यक्ति-हर वर्ग को इस अभियान से जोड़ना हमारा मकसद है ताकि आमजन साइबर अपराधों से बचे और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगे। आईजी ने आमजन से आह्वान किया कि नियमों का पालन पुलिस से बचाव के लिए नहीं बल्कि अपनी स्वयं की सुरक्षा के लिए करना जरूरी है। उन्होंने कार्यशाला में उपस्थित मीडिया प्रतिनिधियों को इस अभियान की जानकारी साझा करते हुए जनजागरूकता की इस मुहिम से जुड़ने एवं आमजन को प्रेरित करने का आह्वान भी किया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में एएसपी श्री रतनू ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं समाज में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से अपील की कि वे स्वयं जागरूक रहें और दूसरों को भी जागरूक करें। उन्होंने इस अभियान से जन-जन को जोड़ते हुए जागरूकता का संदेश देने एवं अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। यूनिसेफ राजस्थान की राज्य स्तरीय बाल संरक्षण सलाहकार श्रीमती सिंधु बिनुजीत ने पीपीटी के माध्यम से इन दोनों अभियान के तहत तैयार किये गये डिजीटल लिंक की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने इस लिंक में तैयार क्विज एवं प्रतिभागी द्वारा क्विज पूर्ण करने पर प्रतिभागी के प्रोत्साहन हेतु संबंधित जिलों के एसपी महोदय की ओर से जारी होने वाले प्रमाण पत्र के तकनीकी पहलुओं के बारे में बताया। कार्यशाला में पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों ने इस अभियान के तहत तैयार किये गये लिंक को भरते हुए साइबर अपराधों की रोकथाम और सुरक्षित यातायात व्यवस्था के प्रति जागरूकता का संकल्प लिया। कार्यक्रम में गीतांजलि इंस्टीट्यूट के डॉ. चिंतल पटेल ने तकनीकी सहयोग दिया। राजसमंद जिले के साइबर सेल प्रतिनिधि खेरोल वसीम ने भी तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में एएसपी राजसमदं रजत विश्नोई, सलूंबर एएसपी रतन चावला, बांसवाड़ा एएसपी गोविंद सिंह, प्रतापगढ़ एससपी बलवीर सिंह, चितौड़गढ़ पुलिस उपाधीक्षक शिवप्रकाश, उदयपुर से पुलिस उपाधीक्षक विनय चौधरी, कार्यक्रम टीम के दिलीप सालवी आदि उपस्थित रहे।

कोटड़ी का सपूत सहायक कमांडेंट अभिषेक शर्मा बना राष्ट्र का प्रहरी

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। देशभक्ति, समर्पण और गर्व की अद्भुत अनुभूति से सराबोर भीलवाड़ा जिले का कोटड़ी कस्बा 25 अप्रेल शनिवार को एक ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने जा रहा है। कोटड़ी निवासी वरिष्ठ पत्रकार श्यामसुंदर शर्मा के सुपुत्र अभिषेक शर्मा ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) में सहायक कमांडेंट के रूप में दीक्षा प्राप्त कर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र का मान-सम्मान बढ़ाया है। उनके प्रथम गृह आगमन पर 25 अप्रैल शनिवार को प्रातः 8 बजे खोलपुरा पेट्रोल पंप, कोटड़ी पर भव्य एवं विराट स्वागत समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसे लेकर क्षेत्रवासियों में अभूतपूर्व उत्साह देखा जा रहा है।

यह केवल एक स्वागत समारोह नहीं, बल्कि देशसेवा के लिए समर्पित एक युवा के सम्मान में उमड़ती जनभावनाओं का महासंगम होगा। अभिषेक शर्मा ने 13 माह के कठिन और अनुशासित प्रशिक्षण को सफलता पूर्वक पूर्ण कर देश की आंतरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी अपने कंधों पर ली है। उनका यह सफर संघर्ष, अनुशासन और अटूट राष्ट्रभक्ति की मिसाल है, जो युवाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बन चुका है।

श्यामसुंदर शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि अभिषेक के सहायक कमांडेंट बनने के बाद उनका यह पहला गृह आगमन है, जिसे ऐतिहासिक बनाने के लिए पूरे कोटड़ी क्षेत्र में तैयारियां जोरों पर हैं। गांव-गांव से लोग इस गौरवपूर्ण क्षण के साक्षी बनने के लिए उत्साहित हैं। विशेष रूप से युवाओं में देशसेवा के प्रति नई ऊर्जा और जोश का संचार हुआ है।

स्वागत समारोह के पश्चात अभिषेक शर्मा का चारभुजा नाथ मंदिर पहुंचकर आशीर्वाद प्राप्त करने का कार्यक्रम भी निर्धारित है। वे अपने जीवन की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को ईश्वर को समर्पित करते हुए चारभुजानाथ भगवान को प्रथम सैल्यूट देंगे। यह क्षण न केवल आध्यात्मिक आस्था का प्रतीक होगा, बल्कि यह संदेश भी देगा कि देशसेवा का मार्ग संस्कारों और श्रद्धा से होकर गुजरता है।

हाल ही में आयोजित दीक्षा परेड में अभिषेक शर्मा ने भाग लेकर अपने परिवार और क्षेत्र का गौरव बढ़ाया। इस गौरवपूर्ण अवसर पर उनके माता-पिता सहित पूरा परिवार उपस्थित रहा और इस उपलब्धि को साझा किया। अभिषेक का चयन छत्तीसगढ़ के रायपुर में पदस्थापन के लिए हुआ है, जहां वे अपनी सेवाएं देते हुए राष्ट्र की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

अभिषेक शर्मा ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि प्रशिक्षण के दौरान मिली कठिनाइयों ने उन्हें और अधिक मजबूत बनाया है। दीक्षा परेड में शामिल होना उनके लिए जीवन का सबसे गौरवपूर्ण क्षण रहा। उन्होंने कहा कि अब उनका एकमात्र लक्ष्य देश की सेवा करना है और वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जज्बे के साथ करेंगे।

कोटड़ी क्षेत्र के लिए यह क्षण इसलिए भी ऐतिहासिक है क्योंकि अभिषेक शर्मा इस पद पर पहुंचने वाले पहले युवा हैं। उनकी इस उपलब्धि ने क्षेत्र के युवाओं के मन में नई उम्मीद और प्रेरणा का संचार किया है। हर कोई इस सपूत के स्वागत के लिए आतुर है, जिसने अपनी मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल किया है।

समारोह को लेकर गांव में देशभक्ति के रंग साफ झलक रहे हैं। लोगों का कहना है कि यह केवल अभिषेक का नहीं, बल्कि पूरे कोटड़ी और भीलवाड़ा जिले का गौरव है। अभिषेक शर्मा की यह सफलता इस बात का प्रतीक है कि यदि संकल्प मजबूत हो और लक्ष्य स्पष्ट, तो कोई भी मंजिल दूर नहीं होती। उनका यह सफर आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत रहेगा और देशभक्ति की भावना को और अधिक प्रगाढ़ करेगा।

फूलियाकलां में शिक्षा का स्वर्णिम अध्याय

21 करोड़ का आधुनिक विद्यालय बनेगा प्रतिभाओं का नया केंद्र

आईआईटी, एनईईटी की निशुल्क ऑनलाइन कक्षाएं शुरू, अब गांव से ही खुलेगा सफलता का मार्ग

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। भीलवाड़ा जिले के फूलियाकलां में शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक और प्रेरणादायक पहल सामने आई है। श्री कल्याण सेवा संस्थान एवं समाजसेवी सत्यनारायण लड्ढा के मार्गदर्शन में लगभग 21 करोड़ रुपये की लागत से एक अत्याधुनिक विद्यालय का निर्माण कराया जा रहा है, जो आने वाले समय में ग्रामीण विद्यार्थियों के सपनों को साकार करने का सशक्त माध्यम बनेगा।

इस भव्य विद्यालय का हाल ही में बिट्स पिलानी के पूर्व छात्र रामपाल दरगड़ द्वारा दौरा किया गया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए बताया कि यहां आईआईटी, एनईईटी जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निशुल्क ऑनलाइन कक्षाएं प्रारंभ की जाएंगी।

रामपाल दरगड़ ने जानकारी दी कि ये कक्षाएं प्रतिष्ठित आईआईटी आश्रम, वडोदरा के सहयोग से संचालित होंगी, जहां अनुभवी विषय विशेषज्ञ विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाना है, ताकि उन्हें बड़े शहरों की महंगी कोचिंग पर निर्भर नहीं रहना पड़े और वे अपने गांव में रहकर ही प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी कर सकें।

विद्यालय प्रशासन एवं श्री कल्याण सेवा संस्थान से जुड़े सदस्यों ने इस पहल को क्षेत्र के लिए एक 'मील का पत्थर' बताते हुए कहा कि यह विद्यालय केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि ग्रामीण प्रतिभाओं को नई उड़ान देने वाला मंच साबित होगा। आधुनिक सुविधाओं से युक्त यह विद्यालय विद्यार्थियों को तकनीकी, शैक्षणिक और नैतिक मूल्यों से भी समृद्ध करेगा।

स्थानीय लोगों में इस परियोजना को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। अभिभावकों का मानना है कि अब उनके बच्चों को बेहतर शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा। इससे समय और धन दोनों की बचत होगी, साथ ही गांव में ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का वातावरण तैयार होगा। यह पहल न केवल फूलियाकलां बल्कि पूरे भीलवाड़ा जिले के लिए गर्व का विषय बन गई है। 21 करोड़ की इस आधुनिक शिक्षा परियोजना से निश्चित रूप से क्षेत्र में शिक्षा का स्तर ऊंचा उठेगा और आने वाले वर्षों में यहां के विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाएंगे। सकारात्मक सोच और समाजसेवा की भावना से शुरू हुई यह पहल आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को उज्ज्वल बनाने की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण बन रही है।

कोटा विश्वविद्यालय में गतका प्रतियोगिता: पंजाबी विश्वविद्यालय प्रथम, गुरु काशी द्वितीय

पंजाबी विश्वविद्यालय का डंका — गतका स्पर्धा में 30 अंकों के साथ नंबर एक, गतका में पंजाबी विश्वविद्यालय अजेय, कोटा की पूजा का स्वर्णिम कमाल

स्मार्ट हलचल|कोटा

भारतीय विश्वविद्यालय संघ एवं खेल और युवा मामले विभाग, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में कोटा विश्वविद्यालय में आयोजित अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय गतका प्रतियोगिता (महिला एवं पुरुष) 2025-26 के दूसरे दिन पंजाबी विश्वविद्यालय ने कुल 30 अंक अर्जित कर समग्र विजेता का खिताब अपने नाम कर लिया।

कुलगुरु प्रो. बी.पी. सारस्वत के निर्देशन में इस वर्ष पहली बार कोटा विश्वविद्यालय को इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्पर्धा की मेजबानी सौंपी गई है, जो 21 से 26 अप्रैल 2026 तक चल रही है। गुरूवार को आयोजित विभिन्न स्पर्धाओं में देश भर के विश्वविद्यालयों के महिला खिलाड़ियों ने पारंपरिक सिख मार्शल आर्ट गतका की अद्भुत कला का प्रदर्शन किया। आयोजन सचिव डा. विजय सिंह ने बताया कि शुक्रवार को पुरूषो के मैनेजर मीटिंग का आयोजन होगा और शनिवार को सुबह 9 बजे से पुरूषो के मैच आयोजित होंगे अभी तक 34 यूनिवर्सिटी के 262 खिलाड़ियों की प्रविष्टियां कोटा यूनिवर्सिटी को प्राप्त हो चुकी है। इस अवसर पर रजिस्ट्रार राजपाल सिंह,प्रो एनएल खेडा,प्रो.भूपेन्द्र सिंह,डा.रामचरण मीणा, प्रो.छोटू सिंह भाटी, प्रो. संजीव दूबे,गतका फेडरेशन ऑफ इण्डिया के महासचिव बल न्दिर सिंह,डा मूलचंद शर्मा ने खिलाडियो को पदक व ट्रॉफी दी।

पंजाबी विश्वविद्यालय शीर्ष पर, गुरु काशी दूसरे स्थान पर

समग्र विजेता तालिका में पंजाबी विश्वविद्यालय ने 2 स्वर्ण, 2 रजत एवं 1 कांस्य पदक के साथ 30 अंक अर्जित कर प्रथम स्थान हासिल किया। गुरु काशी विश्वविद्यालय 3 स्वर्ण व 1 रजत सहित 28 अंकों के साथ द्वितीय रहा। श्री गुरु ग्रंथ साहिब वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ने 1 स्वर्ण, 3 रजत के दम पर 26 अंक बटोर कर तीसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि पंजाब विश्वविद्यालय 2 स्वर्ण व 1 रजत के साथ 18 अंक लेकर चौथे पायदान पर रहा।

मेजबान कोटा की बेटी ने चमकाया नाम

फ्री स्टाइल सिंगल सोटी (व्यक्तिगत) स्पर्धा में मेजबान कोटा विश्वविद्यालय की खिलाड़ी पूजा चौधरी ने स्वर्ण पदक जीतकर स्थानीय दर्शकों की वाहवाही लूटी। एसजेजेटी विश्वविद्यालय की मोनिका कडवा ने रजत प्राप्त किया, जबकि कांस्य अपेक्स विश्वविद्यालय की ममता सैनी व सिंघानिया विश्वविद्यालय की निशा को संयुक्त रूप से मिला।

टीम स्पर्धाओं में रोमांचक मुकाबले

फुल स्ट्राइक सिंगल सोटी (टीम) स्पर्धा में गुरु काशी विश्वविद्यालय की आरती, अर्शदीप कौर, हरलीन कौर व परभज्योत कौर की चौकड़ी ने स्वर्ण पदक जीता। पंजाबी विश्वविद्यालय की दविंदर कौर, इकजोत कौर, कलविंदर कौर व सिमरनप्रीत कौर को रजत से संतोष करना पड़ा। कांस्य पदक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय तथा गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय ने साझा किया।

फुल स्ट्राइक फर्री सोटी (टीम) में गुरु काशी विश्वविद्यालय की अर्शदीप कौर, हरमन कौर, सिमरनजीत कौर व वीरपाल कौर ने एक बार फिर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। रजत श्री गुरु ग्रंथ साहिब वर्ल्ड यूनिवर्सिटी को मिला, जबकि कांस्य पंजाबी विश्वविद्यालय व डॉ. प्रीति ग्लोबल यूनिवर्सिटी ने साझा किया। हाफ स्ट्राइक सिंगल सोटी (टीम) में पंजाबी विश्वविद्यालय की अवनीत कौर, हरमनदीप कौर, जसप्रीत कौर व सुखदीप कौर ने स्वर्ण पदक जीता। श्री गुरु ग्रंथ साहिब वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रजत पर रही, जबकि देश भगत विश्वविद्यालय और डॉ. प्रीति ग्लोबल यूनिवर्सिटी ने कांस्य साझा किया। हाफ स्ट्राइक फर्री सोटी (टीम) में पंजाब विश्वविद्यालय की अपरजीत, दीपिका, गुरलीन कौर व मनप्रीत कौर की टीम ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। श्री गुरु ग्रंथ साहिब वर्ल्ड यूनिवर्सिटी को रजत मिला, जबकि पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय व गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय कांस्य पर संयुक्त रूप से काबिज रहे।

व्यक्तिगत स्पर्धाओं में भी जोरदार प्रदर्शन

फुल स्ट्राइक फर्री सोटी (व्यक्तिगत) में श्री गुरु ग्रंथ साहिब वर्ल्ड यूनिवर्सिटी की इंदरप्रीत कौर ने स्वर्ण जीता। रजत गुरु काशी विश्वविद्यालय की वीरपाल कौर को मिला, जबकि कांस्य युनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की पवन कुंवर व छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय की किरत कौर को संयुक्त रूप से प्राप्त हुआ। फुल स्ट्राइक सिंगल सोटी (व्यक्तिगत) में गुरु काशी विश्वविद्यालय की आरती स्वर्ण विजेता रहीं। सिंघानिया विश्वविद्यालय की तनीशा सेरावत को रजत मिला, जबकि कांस्य सुरेश ज्ञान विहार विश्वविद्यालय की खुशबू व महाराजा भूपेंद्र सिंह पंजाब स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की जसप्रीत कौर को संयुक्त रूप से मिला। हाफ स्ट्राइक फर्री सोटी (व्यक्तिगत) में पंजाब विश्वविद्यालय की मनप्रीत कौर स्वर्ण पर काबिज रहीं। रजत पंजाबी विश्वविद्यालय की जशनप्रीत कौर को, जबकि कांस्य युनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट की ममता कुमारी व चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय की सरिता को संयुक्त रूप से मिला। हाफ स्ट्राइक सिंगल सोटी (व्यक्तिगत) में पंजाबी विश्वविद्यालय की जसप्रीत कौर ने स्वर्ण पदक जीता। पंजाब विश्वविद्यालय की तरनजीत कौर रजत पर रहीं, वहीं कांस्य अपेक्स विश्वविद्यालय की गुड्डी गुर्जर व पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर सोलापुर विश्वविद्यालय की देवकर अश्विनी ने साझा किया।

असामाजिक तत्वों द्वारा लगाई गई आग दमकल कर्मियों ने मशक्कत से बुझाई

स्मार्ट हलचल| बूंदी

पूर्व पार्षद संजय भूटानी ने बताया मांजी साहब के पास कुंड स्थित कपड़े की दुकान के पीछे कचरा डालने की घटनाओं पर अंकुश लगाने में नगर परिषद नाकाम नजर आ रही है। नगर परिषद द्वारा कई बार समझाने के बाद भी व्यवसायीओ द्वारा ऐतिहासिक कुंड के पास कचरा डाला जा रहा है। जिस से शहर की शोभा खराब हो रही है प्रदूषण भरे माहौल में सांस लेना भी मुश्किल हो रहा है। शहर में कचरा गाड़ियों की व्यवस्था होने के बाद भी कचरा सार्वजनिक स्थानों पर डाला जाने वाला कचरा समय पर नहीं उठ पा रहा है। जिसके कारण असामाजिक तत्वों द्वारा दुकान खुलने से पहले ही आग लगा दी जाती है । प्रातः 10:00 बजे कपड़े की दुकान खोलते ही दुकान में धुआं भर गया कपड़ा व्यवसायी की सूचना पर नगर परिषद से दमकल भेजकर कर्मचारियों की सूज बूझ से आग पर काबू पाया, अन्यथा भारी नुक़सान हो सकता था।

गर्मी के तेवर देख बून्दी में भी स्कूलों का समय बदलने की मांग

शादियों के चलते बाजारों में चहल पहल लेकिन गलियां सुनसान

स्मार्ट हलचल| बून्दी

गर्मी के तेवर दिनों दिन बढ़ते ही जा रहे है। जिससे दोपहर को लोगों का घरो से निकलना दूभर हो गया है। वहीं शादी ब्याह के चलते ग्रामीणों को भीषण गर्मी में बाजारों में खरीददारी करने आना पड़ रहा है। ग्रामीण भी धूप से बचाव के लिए सिर पर कपड़ा बांधने सहित शीतल पेय का सहारा ले रहे है। दूसरी ओर हीट वेव के चलते कोटा जिला कलक्टर पीयूष समारिया ने आज से स्कूलो का समय सुबह 7.30 बजे से 12.30 बजे तक कर दिया है। वहीं आज तक बून्दी में स्कूलों का समय नहीं बदला गया है। जिससे अभिभावक और बच्चे परेशान है। इस सम्बन्ध में आज कार्यवाहक जिला कलक्टर को अभिभावको द्वारा एक ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में अन्य जिलो की तरह हीट वेव के चलते बून्दी में भी स्कूलों का समय सुबह 7.30 बजे से 11 बजे तक करने की मांग की है।

भीषण गर्मी के बावजूद बाजारों में तो चहल पहल है लेकिन गली मोहल्लों में पूरी तरह से सन्नाटा पसरा हुआ है। लोग घरो में दुबके हुए है और आवश्यक कार्यों के लिए ही घर से बाहर निकल रहे है। यहां सुबह 11 बजे से देर शाम तक सन्नाटा पसरा रहता है। यही हाल जिले में प्रवेश करने वाले मार्गों का है जो जो पूरी तर खाली नजर आते है। गर्मी के चलते शीतल पेय की दुकानों व ठेलो पर जमकर बिक्री हो रही है।

70 सालों से यह पुस्तकालय बना है 'ज्ञान का मंदिर', संवार रहा भविष्य

जिला पुस्तकालय आज भी है 54,000 से अधिक पुस्तकों के संग्रह के साथ बौद्धिक विकास का प्रमुख केंद्र

स्मार्ट हलचल|बूंदी

किताबों की खुशबू, पन्नों की सरसराहट और शांत वातावरण में ज्ञान अर्जित करने की परंपरा यही पहचान रही है बूंदी के राजकीय सार्वजनिक जिला पुस्तकालय की. विश्व पुस्तक दिवस (23 अप्रैल) के अवसर पर यह ऐतिहासिक पुस्तकालय अपने 70 वर्षों का गौरवशाली सफर पूरा कर चुका है. करीब 50 हजार से अधिक पुस्तकों का विशाल संग्रह अपने भीतर समेटे यह पुस्तकालय आज भी ज्ञान के साधकों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बना हुआ है, लेकिन बदलते समय के साथ यहां आने वाले विद्यार्थियों की प्राथमिकताएं भी बदलती नजर आ रही हैं।

इतिहास की विरासत, ज्ञान का भंडार : मार्च 1956 में स्थापित इस पुस्तकालय का उद्घाटन 3 अक्टूबर 1956 को तत्कालीन जिला कलेक्टर राजा निरंजन सिंह द्वारा किया गया था. वर्षों के सफर में यह पुस्तकालय बूंदी के बौद्धिक और सांस्कृतिक विकास का साक्षी बना रहा है. वर्ष 2005 से यह सिविल लाइंस स्थित अपने नवीन भवन में संचालित हो रहा है. पुस्तकालयाध्यक्ष सत्यप्रकाश श्रीवास्तव के अनुसार इस पुस्तकालय का मुख्य उद्देश्य आमजन और विद्यार्थियों को उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप अधिक से अधिक ज्ञानवर्धक सामग्री उपलब्ध कराना है. यहां सदस्यता की मासिक और वार्षिक व्यवस्था है, जिससे विद्यार्थी नियमित रूप से अध्ययन कर सकें।

सनातन संस्कृति के संरक्षण का आह्वान, स्वामी सच्चिदानंद महाराज का ओजस्वी व्याख्यान

स्मार्ट हलचल|कोटा

सनातन संस्कृति के संरक्षण एवं जन-जागरण के उद्देश्य से गुरुवार को कोटा स्थित पुरुषार्थ भवन व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महर्षि दयानन्द सरस्वती वेद प्रचार समिति, एसएसआई एसोसिएशन तथा लघु उद्योग भारती के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय क्रांतिकारी संत स्वामी सच्चिदानंद महाराज ने परमात्मा के स्वरूप, सृष्टि के सिद्धांतों और मानव जीवन के कर्तव्यों पर अत्यंत ओजस्वी एवं चिंतनशील व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि परमात्मा सृष्टि के सृजन, पालन एवं संरक्षण के साथ-साथ समय पूर्ण होने पर उसका संहार भी करता है। साथ ही, वेदों के माध्यम से मानवता को ज्ञान प्रदान करना तथा प्रत्येक जीव को उसके कर्मों के अनुरूप फल देना भी ईश्वर का शाश्वत विधान है।

उन्होंने अपने संबोधन में वैदिक संस्कृति की प्रासंगिकता, भारतीय परंपराओं के संरक्षण तथा समाज में नैतिक मूल्यों के प्रसार की आवश्यकता पर विशेष बल देते हुए कहा कि 'संस्कृति ही राष्ट्र की आत्मा है और इसका संरक्षण प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।'

कार्यक्रम में एसएसआई फाउंडर प्रेसिडेंट गोविंद राम मित्तल, निर्वतमान अध्यक्ष मनोज राठी, अध्यक्ष दीपक मेहता, सचिव समीर सूद, कोषाध्यक्ष राहुल जैन तथा अंकुर गुप्ता सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल संचालन में संयोजक कपिल बहेती एवं संदीप जांगिड़ की विशेष भूमिका रही। आयोजन में बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं एवं नागरिकों ने स्वामी जी के विचारों को आत्मसात करते हुए सनातन मूल्यों के संरक्षण का संकल्प लिया।

स्वास्थ्य विभाग का अलर्ट, हीटवेव से बचने के लिए सावधानी बरतें

स्मार्ट हलचल| बूँदी

बढ़ते तापमान और गर्मी को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है। संभावित हीटवेव के मद्देनजर सीएमएचओ डॉ. ओ पी सामर ने आमजन से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने बताया कि लू के प्रभाव से शरीर का तापमान तेजी से बढ़ जाता है, जिससे चक्कर आना, तेज बुखार, उल्टी और डिहाइड्रेशन जैसी समस्या हो सकती है। ऐसे लक्षण नजर आने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर उपचार लेना जरूरी है। दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचें। बाहर निकलते समय सिर को ढकें और हल्के रंग के सूती वस्त्र पहनें। किसान, मजदूर और खुले में काम करने वाले लोग समय-समय पर छाया में विश्राम करें तथा पानी, छाछ या ओआरएस का सेवन करते रहें। बच्चों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं को विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। डिप्टी सीएमएचओ (हैल्थ) डॉ. प्रदीप शर्मा ने बताया कि चिकित्सा संस्थानों में हीट वेव से बचाव सम्बन्धी आवश्यक व्यवस्थाओं जैसे ओ.पी.डी. रजिस्ट्रेशन एवं दवा वितरण काउंटर पर छाया, पीने का स्वच्छ शीतल जल की व्यवस्था, वेटिंग एरिया में शेड व्यवस्था तथा संस्थानों में साफ-सफाई आदि की सुनिश्चितता करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही आमजन में जागरूकता हेतु वृहत स्तर पर प्रचार-प्रसार गतिविधियों हेतु निर्देशित किया गया है।

बारां जिले में गूंजी संत रामपाल जी महाराज जी की लोकप्रियता

स्मार्ट हलचल |बारां

जिले में एक अनोखी पहल देखने को मिली, जहां Agri Global Care Pvt. Ltd. के कर्मचारियों ने एक स्थानीय दुकानदार को संत रामपाल जी महाराज की तस्वीर सम्मान स्वरूप भेंट की।दुकानदार संत रामपाल जी महाराज जी के अनुयाई थे उन्होंने गिफ्ट के तौर पर अपने गुरुदेव भगवान की तस्वीर देखी तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा जानकारी के अनुसार, कंपनी के कर्मचारी राम जी गुर्जर और कमलेश जी गुर्जर की ओर से यह तस्वीर इनाम के रूप में (दुकान) सत कबीर एग्रो एजेंसी सकतपुर जिला बारां को दी गई। इस अवसर पर कर्मचारियों ने तस्वीर पर फूल अर्पित किए तथा मिठाई वितरित कर खुशी जाहिर की।

कार्यक्रम के दौरान कंपनी के प्रतिनिधियों ने कहा कि संत रामपाल जी महाराज समाज में सकारात्मक संदेश देने का कार्य कर रहे हैं और लोगों को सच्चाई एवं सदाचार के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

पुलिस लाईन चौराहे पर शीतल जल प्याऊ का शुभारंम्भ

स्मार्ट हलचल

बारां। महाराजा अग्रसेन अधिकारी कर्मचारी समिति के तत्वाधान में शहर के कोटा रोड़ पर स्थित पुलिस लाइन चौराहा व सहकार भवन के सामने भीषण गर्मी को देखते हुए गुरूवार को ठंडे पानी की प्याऊ का शुभारंभ किया गया है। यह पहल समिति के भामाशाहों ने की है। वैशाख माह के अवसर पर शुरू हुई यह प्याऊ राहगीरों और आम नागरिकों को राहत प्रदान करेगी। ठंडे पानी की प्याऊ का शुभारंभ्भ प्रांतीय सेवा प्रमुख कैलाश नामा के मुख्य आतिथ्य में राहगीरों को ठंडा पानी पिला कर किया गया। समिति के अध्यक्ष प्रशासनिक अधिकारी विद्युत विभाग बृजमोहन गोयल ने बताया कि शहर के पुलिस लाईन चौराहे पर पहले ठंडे पानी की समुचित व्यव-स्था नहीं थी, जिससे राहगीरों और स्थानीय लोगों को गर्मी में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। इस आवश्यकता को समझते हुए महाराजा अग्रसेन अधिकारी कर्मचारी समिति ने यह कदम उठाया। अब यहां से गुजरने वाले लोगों को भीषण गर्मी में आसानी से ठंडा पानी उपलब्ध हो सकेगा। लंबे समय से महाराजा अग्रसेन अधिकारी कर्मचारी समिति सामाजिक कार्यों में सक्रिय रही है और जनहित के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। उनकी इस पहल से शहर में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर समिति के महामंत्री सहित सौमित्र मंगल उपाध्यक्ष प्रबंध निदेशक सहकारिता, अनिल गुप्ता कोषाध्यक्ष शिक्षा विभाग, अशोक कुमार गुप्ता न्याय विभाग, पवन बंसल नर्सिंग ऑफिसर, संतोष जैन उप प्रधानाचार्य, सचिन न्याय विभाग, डॉ. गरिमा गोयल, रामचरण गुप्ता डिप्टी रजिस्टार, गिरधारी लाल गुप्ता लेखा सहायक, अनुपम कुमार लेखा सहायक व मनोज अग्रवाल अध्यापक तथा डॉक्टर सतीश अग्रवाल व समाज सेविका मंजू गर्ग आदि मौजूद रहे। जागरूक नागरिकों और ग्रामीणों ने महाराजा अग्रसेन अधिकारी कर्मचारी समिति की इस पहल के लिए आभार व्यक्त किया।

पुष्कर में एनएसयूआई अमेरिकी राष्ट्रपति की भृत्सना की

स्मार्ट हलचल

पुष्कर/ अजमेर। पुष्कर एनएसयूआई अध्यक्ष मधुसूदन मैक्स पाराशर ने अमेरिकी राष्ट्रपति की भृत्सना करते हुए बताया की हाल ही मे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प एक बार फिर भारत देश को अपमानित करने के उद्देश्य से अपनी सोसल मीडिया प्लेटफ़ार्म 'ट्रुथ सोसल' पर बेहद शर्मनाक बयान दिया जिसमे भारत व चीन को नर्क'द्धद्दद्यद्धश्चद्धह्य' संबोधित किया जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है,साथ ही पाराशर ने कहा कि देश के प्रधान मन्त्री को कड़ी आपत्ति दर्ज करवानी चाहिए, आखिर कब तक देश की संप्रभुता के साथ खिलवाड करता रहेगा,, आखिर क्यो नहीं प्रत्युत्तर दिया जा रहा है, भारत जैसे विशाल देश के प्रति ट्रंप का ये बयां बेहद निंदनीय व अस्वीकार है।

रक्तदान शिविर में 52 यूनिट रक्त संग्रह, जनप्रतिनिधियों ने बढ़ाया उत्साह

स्मार्ट हलचल

करौली। कुतकपुर में टीम रक्त क्रांति फाउंडेशन एवं युवा कमेटी कुतकपुर के तत्वावधान में आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में कुल 52 यूनिट रक्तदान किया गया। इस पुनीत कार्य में क्षेत्र के युवाओं और ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लेकर मानवता की मिसाल पेश की।

रक्त क्रांति फाउंडेशन के संचालक अज़हर क़ाज़ी ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना है, जिसमें लोगों का सहयोग बेहद सराहनीय रहा।

शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक अनीता जाटव एवं कांग्रेस अल्पसंख्यक जिला चेयरमैन एडवोकेट अब्दुल मुगनी खान उपस्थित रहे। इसके अलावा अन्य अतिथियों में अफराज (पूर्व उपसरपंच), सलमान सरपंच, खेमसिंह मीणा, केलाश सरपंच, रहेन्द्र मनेमा, नवेद पठान एवं इमरान वकील सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अतिथियों ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा मानव सेवा का कार्य है और हर स्वस्थ व्यक्ति को इसमें बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए।

शिविर में अलाउद्दीन खान, शारून खान, अज़हर क़ाज़ी, आरिफ खान, अबरार खान, आबिद खान, मुस्कान खान, आमिर कुरैशी, सद्दाम कुरैशी एवं अमान पठान सहित कई युवाओं ने रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई।

कार्यक्रम के अंत में सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया गया और भविष्य में भी ऐसे सामाजिक कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया गया।

ब्यावर भरतपुर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे को निरस्त करने की मांग को लेकर टंकी पर चढ़े किसान

तहसील कार्यालय में किया विरोध प्रदर्शन, एसडीएम को ज्ञापन सौंप कर जताई आपत्ति

स्मार्ट हलचल| सूरौठ

सरकार की ओर से प्रस्तावित ब्यावर भरतपुर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे के लिए भूमि अवाप्ति हेतु गुरुवार को सूरौठ तहसील कार्यालय में आयोजित हुए जनसुनवाई कार्यक्रम में क्षेत्र के किसानों ने काफी हंगामा किया। ब्यावर भरतपुर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे को निरस्त करने की मांग को लेकर करीब 10 किसान तहसील परिसर में स्थित पेयजल टंकी पर चढ़ गए। हालांकि हिंडौन एसडीएम हेमराज गुर्जर की समझाइश पर 5 मिनट बाद ही किसान टंकी से नीचे उतर आए। इसके बाद किसानों ने तहसील कार्यालय में सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया तथा एसडीएम को ज्ञापन सौंप कर आपत्ति जताई।

सूरौठ तहसील क्षेत्र के 10 गांवों में होकर निकलने वाले ब्यावर भरतपुर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के लिए भूमि अवाप्ति हेतु तहसील कार्यालय में तय तिथि के मुताबिक शुक्रवार को सुबह 11 बजे एसडीएम हेमराज गुर्जर ने जनसुनवाई शुरू की।सामाजिक समाघात अध्ययन हेतु जब भूमि अवाप्ति अधिकारी हेमराज गुर्जर जनसुनवाई कर रहे थे तभी 11:30 बजे के करीब 10 किसान तहसील परिसर में स्थित पेयजल टंकी पर चढ़ गए तथा ब्यावर भरतपुर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे को निरस्त करवाने की मांग करने लगे। एसडीएम गुर्जर ने समझाइस कर 5 मिनट में ही किसानों को टंकी से उतरने के लिए राजी कर लिया। इसके बाद तहसील कार्यालय में मौजूद गांव शेरपुर, रारा शाहपुर, खेती हैवत, जटवाड़ा, सौंमला, सौंमली, हाडौली, भुकरावली सहित कई गांवों के सैकड़ो किसानों ने ब्यावर भरतपुर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का विरोध किया तथा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। किसानों ने कहा कि जान दे देंगे लेकिन एक्सप्रेसवे के लिए जमीन नहीं देंगे। खेत बचाओ संघर्ष समिति के संयोजक गोपाल सिंह डागुर, किसान नेता डॉ वीरेंद्र सिंह पीपलहेडा, जाट समाज चौबीसा के महामंत्री तेज सिंह, नंदराम खेड़ी हैवत, अजीत सिंह, नवल किशोर, गोपाल जटवाड़ा महावीरा शेरपुर, बृज किशोर खेड़ी, प्रेम सिंह जटवाड़ा, परसराम , रूप सिंह, लक्ष्मण सेक्रेटरी, मवासी राम, श्याम सिंह, कुंवर सिंह सहित काफी किसानों ने एसडीएम हेमराज गुर्जर को ज्ञापन सौंप कर ब्यावर भरतपुर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे को निरस्त करवाने की मांग की। किसानों ने एसडीएम को बताया कि ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस के लिए भूमि अवाप्ति होने पर अधिकांश किसान भूमिहीन हो जाएंगे तथा खेतों के जाने के लिए भी आवागमन बंद हो जाएगा। किसानों ने सरकार से मांग की है कि ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे बनाने की बजाय भरतपुर हिंडौन गंगापुर स्टेट हाईवे की चौड़ाई बढ़ाई जाए। एसडीएम गुर्जर ने किसानों से कहा कि उनके आपत्ति पत्र को सरकार तक पहुंचाया जाएगा। एसडीएम ने बताया कि ब्यावर भरतपुर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे के लिए भूमि अवाप्ति हेतु कई जिलों में एस आई ए जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

आईएफएस-पुलिस संवाद : समन्वय से सुदृढ़ होगा प्रशासन — डीजीपी

स्मार्ट हलचल | जयपुर

राजस्थान कैडर के वर्ष 2024 बैच के भारतीय वन सेवा के 7 प्रोबेशनर्स ऑफिसर्स के एक दल ने गुरुवार को पुलिस मुख्यालय में पुलिस महानिदेशक श्री राजीव कुमार शर्मा और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण संवाद सत्र में भाग लिया। यह संवाद न केवल प्रशिक्षण का अहम हिस्सा रहा, बल्कि वन विभाग और पुलिस के बीच समन्वय को नई दिशा देने वाला साबित हुआ। संवाद के दौरान डीजीपी श्री शर्मा ने वन संरक्षण से जुड़े कानूनों, वनों में होने वाले अपराधों, नवीन आपराधिक कानूनों तथा कानून-व्यवस्था की व्यापक चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने स्पष्ट किया कि वन विभाग और पुलिस के बीच मजबूत तालमेल पर्यावरण संरक्षण को सुदृढ़ करने के साथ-साथ अवैध खनन, वन भूमि पर अतिक्रमण और वन्यजीव अपराध जैसे संवेदनशील मामलों में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करता है।

बैठक में अधिकारियों को पुलिस तंत्र की कार्यप्रणाली, कानून-व्यवस्था बनाए रखने की रणनीतियों और अपराध नियंत्रण के व्यावहारिक पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई। वहीं, आईएफएस प्रोबेशनर्स ने वन संरक्षण, जैव विविधता और पर्यावरणीय चुनौतियों से जुड़े अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इन मुद्दों पर बहु-विभागीय सहयोग अत्यंत आवश्यक है।

इस अवसर पर यह विशेष रूप से रेखांकित किया गया कि दोनों सेवाओं के बीच निरंतर संवाद और सूचनाओं के आदान-प्रदान से प्रशासनिक दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। जमीनी स्तर पर संयुक्त कार्रवाई से न केवल अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण संभव है, बल्कि संसाधनों की सुरक्षा और बेहतर परिणाम भी सुनिश्चित किए जा सकते हैं।

पुलिस—प्रशासन के साथ समन्वय जरूरी :

डीजीपी श्री शर्मा ने प्रोबेशनर्स को अपने-अपने कार्यक्षेत्र में पुलिस के साथ सतत समन्वय बनाए रखने की सलाह दी, ताकि स्थानीय स्तर पर समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान हो सके। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (विकास) शिखा मेहरा के नेतृत्व में पहुंचे आईएफएस अधिकारियों ने भी साझा जिम्मेदारियों वाले क्षेत्रों में मिलकर कार्य करने की आवश्यकता पर सहमति जताई। इस संवाद में पुलिस मुख्यालय से डीजी संजय अग्रवाल, अनिल पालीवाल, एडीजी वी.के. सिंह, बिपिन पाण्डे, हवासिंह घुमरिया, एस. सेंगाथिर, रूपिंदर सिंघ और डीआईजी कुंवर राष्ट्रदीप सहित कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

भवानी मंडी एवं बारां स्टेशनों पर एक्सप्रेस गाड़ियों के नए ठहरावों का शुभारंभ

सांसद दुष्यंत सिंह हरी झंडी दिखाकर करेंगे ठहरावों का उद्घाटन

स्मार्ट हलचल | झालावाड़-बारां

रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल अंतर्गत भवानी मंडी एवं बारां स्टेशनों पर एक्सप्रेस गाड़ियों को नए ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है।

माननीय सांसद (झालावाड़-बारां) श्री दुष्यंत सिंह दिनांक 26.04.2026 को प्रातः भवानी मंडी स्टेशन पर गाड़ी सं. 12937 गांधीधाम-हावड़ा गरबा एक्सप्रेस के 07.38 बजे आगमन पर हरी झंडी दिखाकर इस ठहराव का शुभारंभ करेंगे। तत्पश्चात सायंकाल बारां स्टेशन पर गाड़ी सं. 20482 तिरुचिरापल्ली-जोधपुर हमसफर एक्सप्रेस के 19.53 बजे आगमन पर पुनः हरी झंडी दिखाकर बारां ठहराव का शुभारंभ करेंगे।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ जैन ने बताया कि नए ठहरावों का विवरण निम्नानुसार है –

भवानी मंडी स्टेशन पर नए ठहराव :

1. गाड़ी सं. 12937 गांधीधाम-हावड़ा गरबा एक्सप्रेस भवानी मंडी स्टेशन पर 26.04.2026 से अग्रिम आदेश तक 07.38 बजे पहुँचकर 07.40 बजे गंतव्य के लिए प्रस्थान करेगी।
2. गाड़ी सं. 12938 हावड़ा-गांधीधाम गरबा एक्सप्रेस भवानी मंडी स्टेशन पर 29.04.2026 से अग्रिम आदेश तक 00.28 बजे पहुँचकर 00.30 बजे गंतव्य के लिए प्रस्थान करेगी।

बारां स्टेशन पर नए ठहराव :

3. गाड़ी सं. 20482 तिरुचिरापल्ली-जोधपुर हमसफर एक्सप्रेस बारां स्टेशन पर 26.04.2026 से अग्रिम आदेश तक 19.53 बजे पहुँचकर 19.55 बजे गंतव्य के लिए प्रस्थान करेगी।
4. गाड़ी सं. 20481 जोधपुर-तिरुचिरापल्ली हमसफर एक्सप्रेस बारां स्टेशन पर 30.04.2026 से अग्रिम आदेश तक 02.08 बजे पहुँचकर 02.10 बजे गंतव्य के लिए प्रस्थान करेगी।

इन नए ठहरावों से भवानी मंडी एवं बारां क्षेत्र के यात्रियों को गुजरात, पश्चिम बंगाल एवं दक्षिण भारत के दूरस्थ गंतव्यों तक सीधी रेल सुविधा उपलब्ध होगी।

पूर्व राज्यमंत्री ने अवैध बजरी पर युवक मृत्य पर जताया शोक

स्मार्ट हलचल | ओम जैन

चित्तौड़गढ़। बड़ाखेड़ा में शादी की तैयारियों के बीच बजरी भरे ट्रेलर से कुचल के हुई इकलौते भाई किशन की मौत पर पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत पारसोली पहुंचे।

प्रवक्ता नवरतन जीनगर ने बताया कि परिवार के मध्य उन्होंने घटना की जानकारी ली एवं इस गम्भीर हादसे पर शोक संवेदनाएं व्यक्त कर परिजनों को ढांढस बंधाया घटना पर पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत ने रोष प्रकट करते हुए कहा कि अवैध बजरी ट्रेलर के आवागमन को चित्तौड़गढ़ की शांति एवं कानून व्यवस्था के लिए बहुत बड़ी चुनौती है पूर्व में अजयराज झाला, सूरज माली प्रकरण भी इस अवैध बजरी माफियाओं का शिकार हुए इसी बीच शादी के 2 दिन होते ही अवैध बजरी ट्रेलर की चपेट में आकर 21 वर्षीय किशन की मौत होना एक चिंता जनक विषय है क्योंकि चुने हुए जनप्रतिनिधियो की इस अवैध बजरी कारोबार में संलिप्तता सामने आते हुए भी राजस्व की बड़ी हानि होते हुए भी भजनलाल सरकार इस पर कोई कार्यवाही नहीं कर रही है। गांव वालों के अनुसार सौ दो सौ डंपर का रोजाना आवागमन होता है उन्होंने जिला कलेक्टर से आग्रह किया कि इस अवैध बजरी ट्रेलर परिवहन को अपने संज्ञान में लेकर संबंधित विभागों को कठोर कार्रवाई करने के लिए निर्देशित करे।

पूर्व मंत्री के साथ मंडल अध्यक्ष दिनेश सोनी, पंचायती राज संगठन जिला अध्यक्ष गिरधारी लाल जाट मौजूद रहे।

नवाचार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से राजकीय विद्यालयों ने पेश की सफलता की मिसाल, मेधावी छात्र अरविंद ने बढ़ाया मान

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। राजस्थान सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा चलाए जा रहे विशेष प्रचार-प्रसार अभियान के तहत रामगढ़ स्थित राजकीय विद्यालय में एक 'विद्यार्थी संवाद' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से न केवल सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे आधुनिक बदलावों को भी रेखांकित किया गया।

थिएटर और शिक्षा का अनूठा संगम

कार्यक्रम के दौरान सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी सोनी ने विद्यालय के कायाकल्प की सराहना करते हुए प्राचार्य नरेंद्र सिंह चौहान की कार्यशैली को प्रेरक बताया। श्री चौहान, जो स्वयं एक पारंगत थिएटर कलाकार और संस्कृत के विद्वान हैं, विद्यालय में शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक मूल्यों और इतिहास के संरक्षण को नया आयाम दे रहे हैं। उनके नेतृत्व में विद्यालय के बुनियादी ढांचे और शैक्षणिक माहौल में हुए नवाचारों की विशेष प्रशंसा की गई।

मेधावी छात्र अरविंद ने रचा इतिहास

जिला ब्यावर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्र अरविंद सिंह रावत ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड परीक्षा में शानदार अंक प्राप्त कर यह साबित कर दिया कि प्रतिभा किसी संसाधनों की मोहताज नहीं होती। अपनी सफलता पर बात करते हुए अरविंद ने कहाः 'राजकीय विद्यालयों में आज हर वह सुविधा उपलब्ध है जो एक निजी स्कूल में होती है। हमारे शिक्षकों के मार्गदर्शन और राज्य सरकार की योजनाओं, जैसे–निःशुल्क यूनिफॉर्म, पाठ्यपुस्तकें और मिड-डे मील ने मेरी पढ़ाई को निरंतर जारी रखने में बहुत मदद की। '

प्रेरणा का केंद्र बना विद्यालय

विद्यालय प्रशासन और शिक्षकों ने अरविंद की इस उपलब्धि को अन्य विद्यार्थियों के लिए एक मील का पत्थर बताया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने विद्यार्थियों को विभागीय प्रचार सामग्री वितरित की और उन्हें राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाकर अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

नशा मुक्त ब्यावर के लिए प्रशासन सख्त

'मानस 1933' पर दें सूचना

स्कूल-कॉलेजों के पास नशा बेचा तो खैर नहीं, 'पुलिस मित्र' रखेंगे पैनी नजर।

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। जिले को नशा मुक्त बनाने के लिए जिला प्रशासन 'एक्शन मोड' में आ गया है। गुरुवार को अतिरिक्त जिला कलेक्टर ब्रह्मलाल जाट की अध्यक्षता में आयोजित एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में मादक पदार्थों की तस्करी और सेवन पर अंकुश लगाने हेतु व्यापक रणनीति तैयार की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक रतनसिंह सहित विभिन्न विभागों के आला अधिकारी मौजूद रहे।

कड़ी निगरानी और पुलिस मित्र की पहल

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अब शिक्षण संस्थानों, लाइब्रेरी और सार्वजनिक स्थानों के पास स्थित पान-चाय की दुकानों पर ई-सिगरेट और नशीले पदार्थों की जांच हेतु औचक निरीक्षण किया जाएगा। नशे के नेटवर्क को तोड़ने के लिए इंजीनियरिंग कॉलेजों के विद्यार्थियों और शिक्षकों को 'पुलिस मित्र' बनाकर सूचना तंत्र को मजबूत किया जाएगा।

साइबर और मेडिकल स्टोर पर नजर

बैठक में डार्क नेट के जरिए हो रही ड्रग्स तस्करी को रोकने के लिए साइबर पेट्रोलिंग बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, मेडिकल स्टोरों पर बिना डॉक्टर की पर्ची के सायकोट्रोपिक दवाइयां (ट्रामाडोल, कोडीन सिरप) बेचने वालों पर सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

27 अप्रैल तक जुड़वाएं नाम, 26 अप्रैल को विशेष अभियान

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर। नगर पालिका निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 के तहत 13 अप्रैल को मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन किया गया है। इसके साथ ही 13 अप्रैल से 27 अप्रैल 2026 तक ऐसे पात्र नागरिकों को मौका दिया गया है, जिनका नाम अभी तक निर्वाचक नामावली में शामिल नहीं है, वे अपना नाम जुड़वा सकते हैं।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, जिन व्यक्तियों की आयु 1 जनवरी 2026 को 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है और वे संबंधित वार्ड के निवासी हैं, वे अपने वार्ड के पदाभिहीत (बीएलओ) अधिकारी से संपर्क कर संबंधित मतदान केंद्र पर जाकर प्रारूप-3 में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्वाचन अधिकारी राजकेश मीणा ने बताया कि इस पुनरीक्षण अभियान का उद्देश्य प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल करना है, ताकि कोई भी योग्य व्यक्ति अपने मताधिकार से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि आवेदन प्रक्रिया को सरल रखा गया है और सभी आवश्यक सहयोग मतदान केंद्रों पर उपलब्ध रहेगा। इस अभियान को प्रभावी बनाने के लिए 26 अप्रैल 2026 (रविवार) को विशेष अभियान दिवस घोषित किया गया है। इस दिन सभी पदाभिहीत अधिकारी (बीएलओ) अपने-अपने मतदान केंद्रों पर सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक उपस्थित रहकर आवेदन पत्र प्राप्त करेंगे।

जटिया समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में गूँजी शहनाई

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। श्री जटिया पंचायत समिति के तत्वावधान में भव्य 42वें श्री गंगा मैया मंदिर वार्षिकोत्सव एवं 20वें सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस दोहरे उत्सव ने समाज की एकता और सेवा की अनूठी मिसाल पेश की।

विशिष्ट अतिथि का भव्य स्वागत

कार्यक्रम में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा (राजस्थान) के नीति शोध प्रमुख एवं निवर्तमान सभापति श्री नरेश कनोजिया ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। समारोह में पहुँचने पर समाज के अध्यक्ष नेमीचंद जूनवाल और अशोक कुमार चोरोटिया ने राजस्थानी परंपरा के अनुसार कनोजिया को माला एवं साफा पहनाकर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

सामाजिक एकजुटता पर जोर...समारोह को संबोधित करते हुए नरेश कनोजिया ने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन समाज के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए एक बड़ा संबल हैं और ऐसे आयोजनों से सामाजिक समरसता बढ़ती है। उन्होंने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद भविष्य की कामना की।इस अवसर पर समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति और पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य रूप से शामिल थे। राजेन्द्र तुंगारिया, लेखराज कवरिया, स्वाति फुलवारी, ओम महावर आदि मौजूद थे।

10 माह से फरार 2000 के इनामी डकैत चेन्नई से गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। जिला पुलिस अधीक्षक रतनसिंह के निर्देशन में वांछित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत, बर थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए डकैती के प्रकरण में 10 महीने से फरार चल रहे दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी नरपतसिंह और सुरेशसिंह न केवल 2000 के इनामी अपराधी हैं, बल्कि थाना बर की 'टॉप-10' सूची में भी शामिल थे।

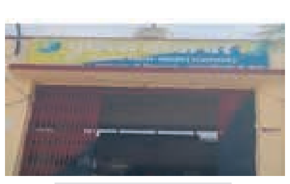

क्या थी घटना?

28 जून 2025 की रात को ग्राम कानुजा में दुर्गाराम देवासी के घर में बदमाशों ने घुसकर दहशत फैलाई थी। लुटेरों ने परिवादिया मांगीदेवी को डरा-धमकाकर उनके गले से सोने की कंठी, रखड़ी और मादलिया लूट लिया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की, लेकिन आरोपी फरार हो गए थे।

चेन्नई तक पहुंचा पुलिस का जाल

थानाधिकारी पन्नालाल के नेतृत्व में पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और गुप्त सूचनाओं के आधार पर पांच महीने की मशक्कत के बाद पहले आरोपी जगदीशसिंह और चेतनसिंह को पकड़ा। इसके बाद सिलसिलेवार तरीके से बलवीरसिंह और विजेंद्रसिंह की गिरफ्तारी हुई। हाल ही में टीम ने सटीक मुखबिरी और डेटा विश्लेषण के आधार पर चेन्नई और ब्यावर में दबिश देकर मुख्य आरोपी नरपतसिंह और सुरेशसिंह को गिरफ्तार कर लिया।

अपराध का काला इतिहास

गिरफ्तार आरोपी नरपतसिंह शातिर अपराधी है। उसके खिलाफ पहले से ही थाना रायपुर में मारपीट और गैंगरेप जैसे संगीन मामले दर्ज हैं। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर रही है, जिसमें अन्य वारदातों के खुलने की भी संभावना है।

जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक पहुँचाने में मीडिया की भूमिका अहम

स्मार्ट हलचल

ब्यावर बिजयनगर। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के तत्वावधान में गुरुवार को बिजयनगर में मीडिया प्रतिनिधियों के साथ एक संवाद बैठक आयोजित की गई। बैठक में सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी (ब्यावर) ने राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और फ्लैगशिप कार्यक्रमों के प्रभावी प्रचार-प्रसार पर जोर दिया।

अधिकारियों ने कहा कि सरकारी योजनाओं की सफलता तभी सुनिश्चित है जब उनकी सही जानकारी समय पर पात्र व्यक्तियों तक पहुँचे। उन्होंने पत्रकारों से आग्रह किया कि वे तहसील स्तर पर हो रहे विकास कार्यों की 'सक्सेस स्टोरीज' को प्रमुखता दें ताकि जन-जागरूकता बढ़ सके। बैठक में प्रेमचंद पीपाड़ा, टीकम, महावीर और जितेंद्र मुणोत सहित अन्य पत्रकार मौजूद रहे।

महवा में श्रीनाथजी हनुमान जी शिव परिवार मूर्तिप्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत निकली कलश यात्रा

आज डॉक्टर किरोडी लाल मीणा करेंगे मां जसोदा वृद्धाश्रम का लोकार्पण

स्मार्ट हलचल

महुवा। उपखंड मुख्यालय पर मां जसोदा सेवा संस्थान एवं चेरीबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित श्रीनाथजी मूर्तिप्राण प्रतिष्ठा समारोह एवं मां यशोदा वृद्धाश्रम उद्घाटन महोत्सव के तहत बुधवार को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई वहीं आज शुक्रवार को वृद्ध आश्रम का उद्घाटन कैबिनेट मंत्री डॉ किरोडी लाल मीणा सहित अन्य अतिथियों द्वारा प्रात 10:00 बजे किया जाएगा कलश यात्रा में सैकड़ों महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने पारंपरिक वेशभूषा में भाग लिया और महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर महुवा कस्बे के हॉस्पिटल रोड स्थित सीताराम जी के मंदिर से कलश यात्रा प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए धार्मिक वातावरण का अद्भुत दृश्य प्रस्तुत किया। कलश यात्रा के दौरान श्रद्धालु भगवान भगवान श्री नाथ जी हनुमान जी शिव जी के जयकारों के साथ आगे बढ़ते रहे, जिससे पूरा नगर भक्तिमय हो उठा।

कलश यात्रा मार्ग को आकर्षक सजावट से सजाया गया था। महुवा कस्बे के विभिन्न मार्गो पर दर्जनों स्वयंसेवी संस्थाओं सहित स्थानीय लोगों ने श्रद्धालुओं का पुष्पवर्षा, जलपान और शीतल पेय से भव्य स्वागत सत्कार स्वागत किया। जगह-जगह सामाजिक संगठनों, व्यापार मंडल और धर्मप्रेमी नागरिकों द्वारा सेवा शिविर लगाए गए, जहां श्रद्धालुओं को ठंडा पानी, शरबत और प्रसाद वितरित किया गया।

इस अवसर पर ट्रस्टी प्रहलाद बंसल, श्रीमती पुष्पा देवी बंसल, बलराम सत्संग मंडल के विष्णु सांवरिया अपना घर सेवा समिति महुआ के अध्यक्ष नेमीचंद खेड़ली वाले प्रेमचंद गोयल श्याम सखा मंडल के राकेश केसरी ,योगेंद्र गोयल, डैनी सोनी, दिनेश चंद बंसल, मुकुट बिहारी बंसल ,पुरुषोत्तम बंसल, गणेश बंसल, राजेश, पवन, राम, श्याम ,सोनू, हेमंत ,नीतीश, मयंक, आर्यन ,आयुष ,चरित, मानस ,प्रिंस बंसल श्याम बंसल, चिंटू अग्रवाल, हितेश सिंघल(निठार वाले), अजय नितेश कानेटी, गौरव , प्रशांत खंडेलवाल गोपुत्र अवधेश अवस्थी सहित सैकड़ो गणमान्य नागरिक मौजूद रहेगे।

वही आयोजन समिति द्वारा बताया गया कि आज 24 अप्रैल शुक्रवार को प्रातः 10:00 बजे मां जसोदा सेवा संस्थान एवं चेरिटेबल ट्रस्ट पाली रोड महुवा द्वारा संचालित वृद्धाश्रम का विधिवत उद्घाटन एवं लोकार्पण समारोह का उद्घाटन राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा मुख्य अतिथि कार्यक्रम की अध्यक्षता महुवा विधायक राजेंद्र मीणा, समारोह में विशिष्ट अतिथि राजेंद्र मीणा उपमहानिरीक्षक पुलिस सोनीपत, डॉ. सौम्या झा जिला कलेक्टर दौसा, हेमेंद्र मीणा पुलिस अधीक्षक रेवाड़ी, सागर राणा पुलिस अधीक्षक दौसा, गिरीश कुमार गर्ग पूर्वी राजस्थान अध्यक्ष अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन एवं जगदीश कुमार अग्रवाल जिला अध्यक्ष अग्रवाल सम्मेलन दौसा विशिष्टाद्वैत अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम को लेकर महुवा नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी उत्साह का माहौल बना हुआ है।

ट्रस्टी पृहलाद कुमार बंसल ने बताया कि मां जसोदा वृद्ध आश्रम का उद्देश्य निराश्रित एवं बुजुर्ग लोगों को सम्मानपूर्वक आश्रय प्रदान करना है। आयोजकों का कहना है कि यह वृद्ध आश्रम समाज के उन बुजुर्गों के लिए समर्पित रहेगा जिन्हें अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में देखभाल और अपनत्व की आवश्यकता होती है। धार्मिक आयोजन के साथ समाज सेवा का यह संगम क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

बेजुबान पक्षियों के लिए एबीवीपी का सराहनीय प्रयास, लगाए परिंडे

स्मार्ट हलचल

बायतु। भीषण गर्मी में बेजुबान पक्षियों को राहत देने के उद्देश्य से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) बायतु नगर इकाई द्वारा परिंडा अभियान के तहत विभिन्न स्थानों पर परिंडे लगाए गए।

नगर मंत्री प्रेम डूडी ने बताया कि एबीवीपी जोधपुर प्रांत के आह्वान पर यह अभियान चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य पक्षियों को ठंडी छाया में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना है।

नगर उपाध्यक्ष भगराज भादु ने जानकारी दी कि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय परिसर, सेंसमल कॉलोनी सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर परिंडे लगाए गए, ताकि अधिक से अधिक पक्षियों को पानी मिल सके।

इस दौरान नगर मंत्री प्रेम डूडी, नगर उपाध्यक्ष भगराज भादु, छात्रसंघ अध्यक्ष ओमप्रकाश चौधरी, पूर्व छात्रसंघ महासचिव ओमप्रकाश सारण, सुरेश बेनिवाल, हरीश सैन, हनुमान मुढ़, देवीलाल मुढ़, मोहनलाल, कंवराराम सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुस्तकें हैं जीवन का दीप, समाधान का सेतु

ललित गर्ग

पुस्तकें केवल कागज और शब्दों का संयोजन नहीं होतीं, वे जीवन का साक्षात अनुभव कराती हैं। वे समय, समाज और संवेदनाओं का जीवंत इतिहास होती हैं। महान कवि रविन्द्रनाथ टैगोर ने कहा था कि उच्च शिक्षा केवल जानकारी प्रदान नहीं करती, बल्कि जीवन को संतुलित और शांतिपूर्ण बनाती है। यही कार्य पुस्तकें करती हैं, वे मनुष्य के भीतर विवेक, करुणा और सहिष्णुता का विकास करती हैं।

हर वर्ष 23 अप्रैल को समूचा विश्व ज्ञान, सृजनशीलता और मानवीय सभ्यता की अमूल्य धरोहर पुस्तकों का उत्सव मनाता है। यूनेस्को द्वारा 1995 में प्रारंभ किया गया यह दिवस केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि लेखकों के सम्मान, सृजनाधिकार की रक्षा और पठन संस्कृति के संवर्धन का वैश्विक संकल्प है। इस तिथि का चयन भी अत्यंत अर्थपूर्ण है, क्योंकि इसी दिन विलियम शेक्सपियर और मिगुएल डी सर्वांटिस जैसे महान साहित्यकारों का अवसान हुआ, जिनकी रचनाओं ने मानव सभ्यता को नई दिशा दी। वर्ष 2026 में इस दिवस का मुख्य संदेश यह है कि व्यक्ति अपनी रुचियों के अनुसार पढ़े और पठन को आनंदमय अनुभव बनाए। आज आवश्यकता इस बात की है कि पढ़ने को बोझ नहीं, बल्कि आत्मविकास और आत्मानंद का माध्यम माना जाए। इसी क्रम में मोरक्को की राजधानी रबात को वर्ष 2026 के लिए विश्व पुस्तक राजधानी घोषित किया गया है, जो इस तथ्य को रेखांकित करता है कि पुस्तक संस्कृति किसी एक देश की नहीं, बल्कि समूची मानवता की साझा धरोहर है।

पुस्तकें केवल कागज और शब्दों का संयोजन नहीं होतीं, वे जीवन का साक्षात अनुभव कराती हैं। वे समय, समाज और संवेदनाओं का जीवंत इतिहास होती हैं। महान कवि रविन्द्रनाथ टैगोर ने कहा था कि उच्च शिक्षा केवल जानकारी प्रदान नहीं करती, बल्कि जीवन को संतुलित और शांतिपूर्ण बनाती है। यही कार्य पुस्तकें करती हैं, वे मनुष्य के भीतर विवेक, करुणा और सहिष्णुता का विकास करती हैं। संकट के समय में पुस्तकें सच्चे मित्र की तरह साथ निभाती हैं, यह तथ्य वैश्विक महामारी के दौर में स्पष्ट रूप से देखने को मिला, जब लोगों ने अकेलेपन और अनिश्चितता के बीच पुस्तकों में ही आश्रय पाया। भारत में पुस्तक संस्कृति का इतिहास अत्यंत प्राचीन और गौरवपूर्ण रहा है। वेद, उपनिषद, रामायण और महाभारत जैसे ग्रंथों ने न केवल भारतीय समाज को दिशा दी, बल्कि समूचे विश्व को ज्ञान का प्रकाश प्रदान किया। नालंदा विश्वविद्यालय और तक्षशिला विश्वविद्यालय जैसे प्राचीन विश्वविद्यालय ज्ञान के ऐसे केंद्र थे, जहाँ दूर-दूर से विद्यार्थी अध्ययन हेतु आते थे। ताड़पत्रों और भोजपत्रों पर लिखी गई पांडुलिपियों ने भारतीय ज्ञान परंपरा को पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुरक्षित रखा। यह परंपरा केवल धार्मिक ग्रंथों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें विज्ञान, चिकित्सा, साहित्य और दर्शन के विविध आयाम समाहित थे।

जीवन के अंधकारमय क्षणों में पुस्तकें सचमुच एक दीपक की तरह मार्ग को प्रकाशित करती हैं। जब मनुष्य समस्याओं, तनाव और द्वंद्व से घिर जाता है, तब पुस्तकें उसे नया दृष्टिकोण प्रदान करती हैं। वे केवल ज्ञान का भंडार नहीं, बल्कि एक सच्चे मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक के रूप में उसकी चेतना को जागृत करती हैं। पुस्तकें हमें यह सिखाती हैं कि हर समस्या का समाधान बाहर नहीं, भीतर की समझ और दृष्टि में छिपा होता है। चीनी दार्शनिक कन्फ्यूशियस ने भी कहा था कि ह्लअज्ञानता मन का अंधकार है और ज्ञान ही उसका प्रकाश।ह्व इसी प्रकार महान् दार्शनिक आचार्य महाप्रज्ञ ने जीवन की सरलता और संतुलन पर बल देते हुए बताया कि सच्चा ज्ञान वही है जो मन को शांत और संतुलित बनाए। पुस्तकें इसी संतुलन की साधना कराती हैं-वे हमें सोचने, समझने और धैर्यपूर्वक निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती हैं। आधुनिक भारत में भी पुस्तक संस्कृति को सशक्त बनाने के लिए अनेक प्रयास किए गए हैं। आचार्य विनोबा भावे द्वारा स्थापित सर्वोदय साहित्य भंडार तथा आचार्य तुलसी द्वारा स्थापित आदर्श साहित्य संघ जैसे संस्थानों ने नैतिक और प्रेरणादायक साहित्य को जन-जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन प्रयासों का उद्देश्य केवल ज्ञान का प्रसार नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और मानवीय मूल्यों का संवर्धन भी रहा है। वर्तमान समय में जब तकनीकी साधनों का विस्तार हुआ है, तब भी पुस्तकों की उपयोगिता और महत्ता में कोई कमी नहीं आई है। यद्यपि अध्ययन के अनेक नए माध्यम विकसित हुए हैं, फिर भी मुद्रित पुस्तकों का आत्मीय स्पर्श और उनकी गहराई अद्वितीय है। पुस्तकें मनुष्य के विचारों को विस्तार देती हैं, उसे सही और गलत का बोध कराती हैं तथा जीवन के प्रति एक संतुलित दृष्टिकोण प्रदान करती हैं।

भारत में पुस्तक संस्कृति को प्रोत्साहित करने में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कई उल्लेखनीय पहलें हुई हैं। उन्होंने उपहार के रूप में पुष्पगुच्छ के स्थान पर पुस्तक देने का संदेश देकर समाज में ज्ञान के प्रति सम्मान की भावना को प्रबल किया है। इसके साथ ही देशभर में पठन-पाठन और पुस्तकालयों के विकास को लेकर विभिन्न अभियान चलाए गए हैं, जिनका उद्देश्य युवाओं में अध्ययन के प्रति रुचि जागृत करना है। यह प्रयास केवल साक्षरता बढ़ाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि एक जागरूक, संवेदनशील और सशक्त समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। महान वैज्ञानिक एवं पूर्व राष्ट्रपति ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने कहा था कि एक अच्छी पुस्तक अनेक मित्रों के समान होती है। वास्तव में पुस्तकें मनुष्य के मानसिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक विकास में अत्यंत सहायक होती हैं। वे व्यक्ति को आत्मचिंतन के लिए प्रेरित करती हैं, समाज की विसंगतियों को समझने का दृष्टिकोण देती हैं और सकारात्मक परिवर्तन के लिए प्रेरित करती हैं। प्रसिद्ध लेखिका टोनी मोरिसन का यह कथन भी उल्लेखनीय है कि यदि वह पुस्तक उपलब्ध नहीं है जिसे आप पढ़ना चाहते हैं, तो आपको स्वयं उसे लिखना चाहिए। यह विचार सृजनशीलता और आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करता है। आज के त्वरित सूचना युग में जब ध्यान भटकाने वाले साधनों की भरमार है, तब गहन अध्ययन और मनन की आवश्यकता और भी बढ़ गई है। पुस्तकें ही वह माध्यम हैं जो मनुष्य को एकाग्रता, धैर्य और गहराई प्रदान करती हैं। वे केवल जानकारी नहीं देतीं, बल्कि जीवन को दिशा देती हैं और व्यक्ति को बेहतर मनुष्य बनने के लिए प्रेरित करती हैं। पुस्तकें मानसिक शांति और भावनात्मक स्थिरता का आधार भी हैं। जब जीवन की भागदौड़ मन को विचलित करती है, तब एक अच्छी पुस्तक ध्यान के समान कार्य करती है, जो मन को एकाग्र और शांत बनाती है। महान चीनी चिंतक मेन्शियस ने कहा था कि मनुष्य का स्वभाव मूलतः शुभ होता है, उसे केवल सही दिशा की आवश्यकता होती है। पुस्तकें वही दिशा प्रदान करती हैं। वे अकेलेपन में सच्चा साथी बनती हैं, दुःख में सहारा देती हैं और निराशा में आशा का संचार करती हैं। पुस्तक के माध्यम से हम अनेक महापुरुषों के अनुभवों से जुड़ते हैं, उनके संघर्षों को समझते हैं और अपने जीवन के लिए प्रेरणा प्राप्त करते हैं। वास्तव में पुस्तकें जीवन-निर्माण का कल्पवृक्ष और कामधेनु हैं। उनकी छाया में बैठकर मनुष्य ज्ञान, विवेक, शांति और समाधान सब कुछ प्राप्त कर सकता है। वे हमारे भीतर ऐसी मानसिकता का विकास करती हैं, जिसमें हम हर परिस्थिति में समाधान खोजने लगते हैं। पुस्तकें हमारे विचारों को व्यापक बनाती हैं, हमारी संवेदनाओं को परिष्कृत करती हैं और हमें एक बेहतर मनुष्य बनने की दिशा में अग्रसर करती हैं। इसलिए कहा जा सकता है कि पुस्तकें केवल जीवन को प्रकाशित ही नहीं करतीं, बल्कि उसे सार्थक, संतुलित और समृद्ध भी बनाती हैं।

विश्व पुस्तक दिवस मनाते हुए यह स्पष्ट है कि पुस्तकें केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य की आधारशिला हैं। वे समाज में स्थायी और सकारात्मक परिवर्तन लाने की क्षमता रखती हैं। ऐसा परिवर्तन जो किसी बाहरी दबाव से नहीं, बल्कि आंतरिक चेतना से उत्पन्न होता है। इसलिए आवश्यक है कि हम पुस्तक संस्कृति को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं, घर-घर में अध्ययन का वातावरण निर्मित करें और आने वाली पीढ़ियों को ज्ञान के इस अमूल्य स्रोत से जोड़ें। विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस हमें यही प्रेरणा देता है कि हम पढ़ने की आदत को विकसित करें, पुस्तकों के प्रति सम्मान की भावना को जागृत करें और एक ऐसे समाज के निर्माण में योगदान दें, जो ज्ञान, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों पर आधारित हो।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

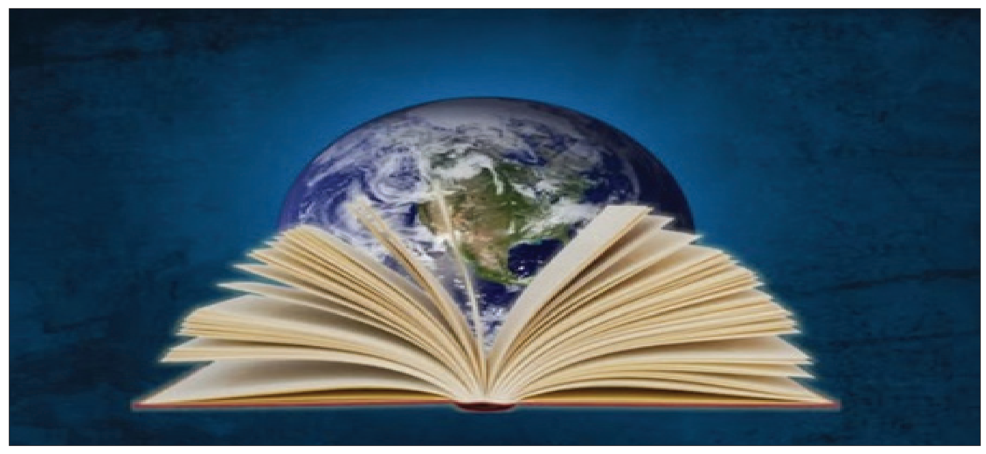

संपादकीय

इलाज का बोझ

किसी लोक कल्याणकारी सरकार का पहला दायित्व बनता है कि वो अपने नागरिकों के लिए सस्ती व प्रभावी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराये। दुनिया के तमाम देशों में सरकारों के स्तर पर ऐसी नीतियां बनी हैं कि लोगों को स्वास्थ्य संकट आने पर उपचार खर्च के तनाव का रोग अलग से नहीं लेना पड़ता है। विशेषकर बुजुर्ग आबादी का विशेष ख्याल रखा जाता है। जिस उम्र में उनका शरीर क्षीण हो रहा होता है और आय के साधन न के बराबर होते हैं, सरकारी चिकित्सा का सुरक्षा कवच बड़ा संबल होता है। विडंबना यह है कि भारत में स्वास्थ्य सेवाएं गहरे विरोधाभास से जूझ रही हैं। हमारी सरकारी चिकित्सा व्यवस्था खुद बीमार है। देश में कम स्वास्थ्य बजट, राजनीतिक हस्तक्षेप और भ्रष्टाचार के चलते सरकारी अस्पतालों में सब कुछ होते हुए भी गरीब व कमजोर वर्ग के लोगों को गुणवत्ता का उपचार नहीं मिल पाता है। हाल ही में सामने आए सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के एक नये सर्वेक्षण में बताया गया है कि देश की लगभग आधी आबादी के पास किसी न किसी प्रकार का स्वास्थ्य बीमा कवर है। लेकिन विडंबना यह है कि स्वास्थ्य बीमा कवर होने के बावजूद उनकी जेब से खर्च होने वाला चिकित्सा व्यय अधिक बना हुआ है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि सरकार द्वारा समर्थित योजनाओं ने बीमा कवरेज के विस्तार को गति दी है। उल्लेखनीय है कि देश के ग्रामीण इलाकों में अब शहरी क्षेत्रों के मुकाबले बीमा कवरेज अधिक है। इसके बावजूद दुखद स्थिति यह है कि देश के करोड़ों परिवारों के लिए आज भी बीमार पड़ना गंभीर आर्थिक संकट पैदा कर देता है। वहीं दूसरी ओर, इस सर्वेक्षण ने एक स्पष्ट खामी को भी उजागर किया है कि आज भी अस्पताल में भर्ती होने के प्रत्येक मामले के लिए मरीज के जेब से होने वाले खर्च के औसत बिल 34,000 रुपये से अधिक हैं। यह हकीकत है कि बीमा कवरेज के बाद भी मरीजों के उपचार पर होने वाला खर्च भारत के अधिकांश आम परिवारों की वहन क्षमता से कहीं अधिक है। आखिर देश में बीमा दायरा बढ़ने के बावजूद, मरीजों पर चिकित्सा उपचार का आर्थिक बोझ लगातार क्यों बढ़ रहा है? क्या बीमा कवरेज कारोबार के लिए उत्साहित रहने वाली बीमा कंपनियों और बड़े अस्पतालों की कमाई का ही जरिया बनकर रह गया? हाल के वर्षों में इस अपवित्र गठबंधन के कई मामलों का खुलासा भी हुआ है। लेकिन नियामक तंत्र की सख्ती के अभाव में मरीजों के दोहन का यह खेल बदस्तूर जारी है। जानकार बताते हैं कि चिकित्सा उपचार की बढ़ती दर अक्सर मुद्रास्फीति से भी अधिक होती है। निस्संदेह, यह अपवित्र कारोबार मरीजों से मुनाफा कमाने वालों के मानवीय सरोकारों पर सवालिया निशान लगाता है। वैसे चिकित्सा सेवा में मुनाफा बढ़ते देख निजी स्वास्थ्य सेवाओं का दबदबा भी बढ़ा है।

चिंतन-मनन

कर्म का फल हैं योनियां

जीवों में शरीर तथा इन्द्रियों की विभिन्न अभिव्यक्तियां प्रकृति के कारण हैं। कुल मिलाकर 84 लाख भिन्न-भिन्न योनियां हैं और ये सब प्रकृतिजन्य हैं। जीव के विभिन्न इन्द्रिय-सुखों से ये योनिया मिलती हैं जो इस या उस शरीर में रहने की इच्छा करता है। जब उसे विभिन्न शरीर प्राप्त होते हैं तो वह विभिन्न प्रकार के सुख तथा दुख भोगता है। उसके भौतिक सुख-दुख शरीर के कारण होते हैं, स्वयं उसके कारण नहीं। उसकी मूल अवस्था में भोग में कोई सन्देह नहीं रहता, अतः वही उसकी वास्तविक स्थिति है। वह प्रकृति पर प्रभुत्व जताने के लिए भौतिक जगत में आता है। वैपुंठ लोक शुद्ध है, किन्तु भौतिक जगत में प्रत्येक व्यक्ति विभिन्न प्रकार के शरीर-सुखों को प्राप्त करने के लिए संघर्षरत रहता है।

यह कहने से बात और स्पष्ट हो जाएगी कि यह शरीर इन्द्रियों का कार्य है। इन्द्रियां इच्छाओं की पूर्ति का साधन हैं। यह शरीर तथा हेतु रूप इन्द्रियां प्रकृति द्वारा प्रदत्त हैं और जीव को पूर्व आकांक्षा तथा कर्म के अनुसार परिस्थितियों के वश वरदान या शाप मिलता है। जीव की इच्छाओं तथा कर्मों के अनुसार प्रकृति उसे विभिन्न स्थानों में पहुंचाती है। जीव स्वयं ऐसे स्थानों में जाने तथा मिलने वाले सुख-दुख का कारण होता है।

एक प्रकार का शरीर प्राप्त होने पर वह प्रकृति के वश में हो जाता है। शरीर, पदार्थ होने के कारण प्रकृति के नियमानुसार कार्य करता है। उस समय शरीर में ऐसी शक्ति नहीं होती कि वह उस नियम को बदल सके। उदाहरण के लिए ज्यों ही वह कुत्ते के शरीर में स्थापित किया जाता है, उसे कुत्ते की भांति आचरण करना होता है। यदि जीव को शूकर का शरीर प्राप्त होता है, तो वह मल खाने तथा शूकर की भांति रहने के लिए बाध्य है। इसी प्रकार यदि जीव को देवता का शरीर प्राप्त होता है, तो उसे अपने शरीर के अनुसार कार्य करना होता है। यही प्रकृति का नियम है। लेकिन समस्त परिस्थितियों में परमात्मा जीव के साथ विद्यमान रहता है।

नारी शक्ति वंदन पर राष्ट्र के नाम रुंदन भरा संबोधन

निर्मल रानी

मध्य एशिया में छिड़े संघर्ष के परिणामस्वरूप पूरे विश्व में मंहगाई व बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। भारत में भी गैस व सिलेंडर के अभाव के कारण लगने वाली लंबी लंबी कतारों के साथ ही हजारों छोटे व मध्यम उद्योगों के बंद होने के समाचार मिल रहे हैं। विभिन्न औद्योगिक नगरियों से कामगारों के ऐसे दर्दनाक दृश्य दिखाई दे रहे हैं जो कोरोना काल के समय हुये प्रवासियों के पलायन की याद दिला रहे हैं। परन्तु हमारे देश की सरकार व यहाँ के नेता इन वास्तविकताओं से मुंह मोड़कर हमेशा की तरह आज भी चुनावी मोड में हैं। प्रायः ऐसा देखा गया है कि चुनावी बेला में कुछ न कुछ ऐसा शगूफा जरूर छोड़ा जाता है जो सत्ता के पक्ष में,चुनाव को प्रभावित करने,विपक्ष को बदनाम करने,चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने तथा सत्ता का दुरूपयोग करने वाला हो। परन्तु इन चुनावी महारथियों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि चुनाव आयोग सहित अनेक संस्थाओं पर सत्ता ने अपनी पकड़ मजबूत जो कर ली है ?

देश ने पिछले दिनों एक ऐसा ही हाई प्रोफाइल राजनैतिक ड्रामा देखा। केंद्र सरकार ने अचानक 16 से 18 अप्रैल 2026 तक संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र बुला लिया। सरकार की तरफ से पहले तो इस आपात सत्र को बुलाने के कारण को भी सांसदों से गुप्त रखा गया। फिर एन वक़्त पर बताया गया कि इस विशेष सत्र का मुख्य उद्देश्य महिला आरक्षण विधेयक जिसे वर्तमान सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम का नाम दिया है इसे जल्द लागू करने के लिए लोकसभा की सीटों का परिसीमन करना व इनकी संख्या 543 से बढ़ाकर अधिकतम 850 करने संबंधी संशोधन विधेयक पारित कराना है। सरकार का कहना है कि ऐसा करने से 2029 के आम चुनावों से पहले 33% महिला आरक्षण लागू हो सकेगा। यही बताकर लोकसभा में विगत 17 अप्रैल को 131 वां संविधान संशोधन विधेयक सरकार द्वारा पेश किया गया जो मतदान के बाद पारित नहीं हो सका। क्योंकि इस संविधान संशोधन विधेयक को पारित होने के लिये लोकसभा में विशेष यानी दो तिहाई बहुमत की जरूरत थी। गोया वर्तमान में लोकसभा में कुल 543 सदस्य हैं और कुल सदस्यों का सामान्य बहुमत लगभग 272 होता है जोकि सरकार के गठन के लिये तो पर्याप्त है परन्तु संविधान संशोधन के लिये उपस्थित और मतदान करने वालों सदस्यों में दो-तिहाई बहुमत के लिए सामान्यतः 362 या इससे अधिक वोट चाहिए। परन्तु चूँकि केवल 298 मत विधेयक के पक्ष में और 230 इस के विपक्ष में पड़े इसलिये यह विधेयक पारित नहीं हो सका। वैसे भी इतना महत्वपूर्ण विधेयक सदन की पटल पर लाने से पूर्व जिसपर परिसीमन को लेकर चर्चा की जाने थी, सत्ता पक्ष ने विपक्ष से बात करना,सर्वदलीय बैठक बुलाना या विपक्ष को विश्वास में लेना भी जरूरी नहीं समझा।

अब इस नारी शक्ति वंदन नामक विधेयक के गिरने के बाद सत्ता ने एक बड़ा है हाई वोल्टेज ड्रामा शुरू किया जिस के तहत पहले तो प्रधानमंत्री ने कैबिनेट की बैठक में विधेयक गिरने का ठीकरा विपक्ष पर फोड़ा और बाद में प्रधानमंत्री ने राष्ट्र के नाम संबोधन किया जो कि एक रुन्दन भरा व शत प्रतिशत चुनावी भाषण जैसा सम्बोधन था। जनता के टैक्स के पैसों से संचालित होने वाले दूरदर्शन,संसद टी वी व ऑल इंडिया रेडिओ जैसे चैनल्स पर इसे लाइव प्रसारित किया गया। जबकि सत्ता के गुणगान में लगे गोदी मीडिया के अधिकांश निजी चैनल्स ने भी इसे लाईव प्रसारित किया। यह संबोधन पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित, विपक्षी दलों को बदनाम करने,कई राज्यों में चल रहे चुनावों के बीच चुनाव को प्रभावित करने वाला तथा चुनाव आचार संहिता का खुला उल्लंघन था। सही मायने में सरकार की जितनी फजीहत विधेयक के पारित न होने से हुई थी उससे कहीं ज्यादा इस तथाकथित राष्ट्र संबोधन से हो गयी। 18 अप्रैल को राष्ट्र के नाम सम्बोधन के नाम पर दिये गये इस 29 मिनट के चुनावी भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल चुनाव आचार संहिता का खुला उल्लंघन किया बल्कि अन्य कई विपक्षी दलों के अतिरिक्त 58 बार केवल कांग्रेस पार्टी का नाम लेकर उसे खूब कोसा। इसके बाद देश के 700 से अधिक पूर्व नौकरशाहों व विशिष्ट लोगों ने भारतीय चुनाव आयोग को पत्र लिखकर शिकायत दर्ज कराई कि प्रधानमंत्री के प्रसारण में चुनाव अचार संहिता की धज्जियाँ उड़ाई गयीं और प्रधानमंत्री का भाषण चुनाव अचार संहिता का सरासर उल्लंघन है। क्योंकि चुनाव अचार संहिता के लागू होने के बावजूद सरकारी टी वी प्रसारण के द्वारा चुनाव प्रचार किया गया और पार्टी प्रोपेगैंडा करने के लिए सरकारी मास मीडिया प्लेटफार्म का दुरूपयोग किया गया जोकि चुनाव नियमों का गंभीर उल्लंघन है। निश्चित रूप से देश के इतिहास में यह पहला मौका था जबकि किसी प्रधानमंत्री ने केवल विपक्ष को बदनाम करने व उसकी आलोचना करने के लिए राष्ट्र को संबोधित करने के बहाने इस तरह से सरकारी प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया हो। इसके बाद मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने जिसतरह आंकड़ों व तथ्यों के साथ भाजपा को आइना दिखाना शुरू किया उससे तो भाजपाइयों के लेने के देने पड़ गये। ,सबसे पहले तो कांग्रेस ने कहा कि जो महिला आरक्षण विधेयक पहले ही संसद में पारित हो चुका है उसे पुनः पारित करने का अर्थ क्या है ? नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि ये दरअसल महिला आरक्षण विधेयक नहीं है बल्कि भारत के वर्तमान चुनावी ढांचे को बदलने की साजिश है। राहुल गांधी ने कहा कि यदि प्रधानमंत्री महिला आरक्षण चाहते हैं तो 2023 का पारित हो चुका महिला विधेयक लायें और उसे आज ही लागू करें तो पूरा विपक्ष समर्थन देगा। साथ ही इस विधेयक के गिरने के बाद महिलाओं की हमदर्दी में घड़ियाली आंसू बहाने व विपक्ष पर ही हमलावर होने वाली भाजपा से इसी विपक्ष ने ऐसे सवाल पूछने शुरू कर दिए जिसका भाजपा के लफ़्फ़ाजी नेताओं के पास कोई जवाब नहीं। महिला आरक्षण के इन स्वयंभू सत्ताधारी हमदर्दों से विपक्ष ने यह भी पूछा कि सबसे ज्यादा सांसद होने के बाद भी बीजेपी की महिला सांसदों की संख्या का अनुपात अन्य राजनैतिक दलों की तुलना में सबसे कम क्यों है ? गौरतलब है कि वर्तमान लोकसभा में बीजेपी के 240 लोकसभा सांसदों में केवल 31 महिलाएं हैं अर्थात उनकी संख्या मात्र 12.90% है। जबकि कांग्रेस के 98 सांसदों में 14 यानी 14.30% इसी प्रकार टीएमसी के 29 में 11 महिला सांसद यानी 37.90% महिलाएं हैं। इसी तरह समाजवादी पार्टी में भी 37 में 5 यानी 13.50% महिला सांसद हैं। इसके साथ ही कांग्रेस ने भाजपा का यह चिट्ठा भी खोलकर रख दिया कि भाजपा के शासन में यहाँ तक कि स्वयं अनेक भाजपा नेताओं द्वारा नारियों का किस तरह शोषण व अपमान किया गया है व किया जा रहा है। इसलिये यह कहना गलत नहीं होगा कि नारी शक्ति वंदन विधेयक के गिरने पर प्रधानमंत्री का राष्ट्र के नाम रुन्दन भरा संबोधन कोरी राजनीति,आचार संहिता का उल्लंघन ,जनता के टैक्स के पैसों का दुरूपयोग और भाजपा की हताशा के सिवा और कुछ नहीं था।

ईरान की ताकत बरकरार, अमेरिका के घटे हथियार! क्या इसी वजह से ट्रंप ने बढ़ाया युद्धविराम?

नीरज कुमार दुबे

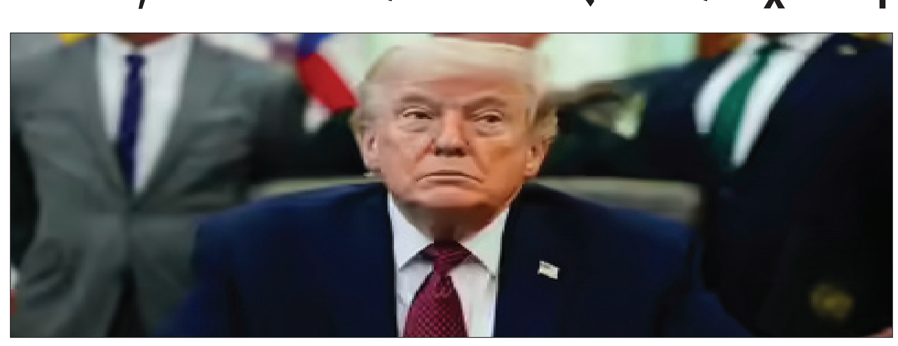

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी संघर्षविराम को अनिश्चित काल के लिए बढ़ाने का ऐलान किया है। यह फैसला उस समय लिया गया जब संघर्षविराम समाप्त होने में कुछ ही घंटे बाकी थे और हालात तेजी से बिगड़ते नजर आ रहे थे। ट्रंप ने कहा कि यह कदम ईरान को एक साझा और स्पष्ट प्रस्ताव तैयार करने का समय देने के लिए उठाया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि यह निर्णय पाकिस्तान के अनुरोध पर लिया गया है। वहीं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस फैसले के लिए ट्रंप का धन्यवाद किया और इसे क्षेत्रीय शांति के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। ट्रंप ने भी अपने संदेश में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की भूमिका का जिक्र किया।

हालांकि, संघर्षविराम के ऐलान के बावजूद जमीन पर हालात पूरी तरह शांत नहीं हैं। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ समुद्री नाकाबंदी जारी रखी है और अपनी सैन्य तैयारियों को बरकरार रखा है। वहीं ईरान ने साफ कर दिया है कि वह धमकियों और दबाव के माहौल में किसी भी तरह की बातचीत के लिए तैयार नहीं है।

इस बीच, इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में हवाई हमले जारी रखे हैं, जिसमें कई लोग घायल हुए और कई घरों को नुकसान पहुंचा। गाजा में भी हमले जारी हैं, जिससे क्षेत्र में मानवीय संकट और गहरा गया है। इस स्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया है कि संघर्षविराम केवल कागजी राहत है, जबकि वास्तविकता में तनाव बना हुआ है।

राजनयिक स्तर पर भी स्थिति उलझी हुई है। इस्लामाबाद में बातचीत को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है और ईरानी प्रतिनिधिमंडल के नहीं पहुंचने से आंतरिक मतभेदों के संकेत मिल रहे हैं। चीन ने भी स्थिति को गंभीर बताते हुए हस्तक्षेप किया है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने की मांग की है।

अब यदि अमेरिकी रक्षा विभाग की खुफिया शाखा के ताजा आकलन की बात करें, तो यह तस्वीर और जटिल हो जाती है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान अब भी अपनी प्रमुख सैन्य क्षमताएं बनाए हुए है और वह एक मजबूत क्षेत्रीय शक्ति बना हुआ है। यह आकलन उन दावों के विपरीत है, जिनमें कहा गया था कि ईरान की सैन्य ताकत को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया गया है। खुफिया रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की वायु और नौसेना पूरी तरह नष्ट नहीं हुई है और उसकी रणनीतिक क्षमता अभी भी प्रभावी बनी हुई है। इससे यह संकेत मिलता है कि अमेरिका के सार्वजनिक बयान और वास्तविक स्थिति में अंतर है। यह अंतर भविष्य की रणनीति और निर्णयों को प्रभावित कर सकता है।

इसी बीच, एक और महत्वपूर्ण रिपोर्ट सामने आई है, जिसने अमेरिका की सैन्य तैयारियों को लेकर चिंता बढ़ा दी है। रक्षा विश्लेषकों और पेंटागन से जुड़े सूत्रों के अनुसार, ईरान के साथ सात सप्ताह तक चले संघर्ष में अमेरिका ने अपने कई महत्वपूर्ण मिसाइल भंडार का बड़ा हिस्सा खर्च कर दिया है। एक अध्ययन के अनुसार, अमेरिका ने अपने प्रिसिजन स्ट्राइक मिसाइल का लगभग 45 प्रतिशत, थाड इंटरसेप्टर का लगभग आधा और पैट्रियट वायु रक्षा मिसाइलों का करीब 50 प्रतिशत इस्तेमाल कर लिया है। इसके अलावा टॉमहॉक मिसाइल का लगभग 30 प्रतिशत और अन्य लंबी दूरी की मिसाइलों का भी बड़ा हिस्सा खर्च हो चुका है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका के पास फिलहाल ईरान के खिलाफ अभियान जारी रखने के लिए पर्याप्त हथियार मौजूद हैं, लेकिन यदि उसे चीन जैसे किसी बड़े प्रतिद्वंद्वी के साथ संघर्ष करना पड़ा, तो मौजूदा भंडार पर्याप्त नहीं होगा। इन हथियारों को फिर से तैयार करने में एक से चार साल तक का समय लग सकता है, जबकि पूरी क्षमता हासिल करने में और ज्यादा समय लग सकता है।

रिपोर्ट में यह भी चेतावनी दी गई है कि हथियारों की इस तेजी से खपत ने पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका की रणनीतिक स्थिति को कमजोर किया है। यह स्थिति भविष्य में अमेरिका की सैन्य रणनीति के लिए चुनौती बन सकती है। हालांकि, पेंटागन ने इन चिंताओं को खारिज करते हुए कहा है कि अमेरिकी सेना के पास अपने मिशनों को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं। ट्रंप प्रशासन ने भी हथियारों की कमी से इंकार किया है, हालांकि अतिरिक्त बजट की मांग की गई है। विश्लेषकों का मानना है कि घटते भंडार का असर केवल अमेरिका तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इससे यूक्रेन और अन्य सहयोगी देशों को मिलने वाली सैन्य सहायता भी प्रभावित हो सकती है। अमेरिकी संसद में भी इस मुद्दे को लेकर चिंता जताई गई है।

इन तमाम घटनाक्रमों के बीच एक बड़ा सवाल उभरकर सामने आता है कि क्या ईरान की सैन्य ताकत के बने रहने और अमेरिकी हथियार भंडार में कमी से जुड़ी रिपोर्टों ने ही ट्रंप के फैसले को प्रभावित किया है। जब खुफिया आकलन यह संकेत दे रहे हैं कि ईरान अब भी एक मजबूत शक्ति है और दूसरी ओर अमेरिका को अपने मिसाइल भंडार को फिर से भरने में वर्षों लग सकते हैं, तो ऐसे में संघर्षविराम का ऐलान केवल कूटनीतिक कदम नहीं बल्कि एक रणनीतिक जरूरत भी हो सकता है। यह भी संभव है कि अमेरिका फिलहाल टकराव को टालकर अपनी सैन्य तैयारी को मजबूत करना चाहता हो। ऐसे में यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या यह युद्धविराम वास्तव में शांति की दिशा में कदम है या फिर एक बड़े और लंबे संघर्ष से पहले की रणनीतिक विराम स्थिति है।

बहरहाल, मौजूदा स्थिति कई स्तरों पर अस्थिर बनी हुई है। एक ओर संघर्षविराम ने अस्थायी राहत दी है, लेकिन दूसरी ओर सैन्य तनाव, खुफिया आकलनों में अंतर और हथियारों की कमी से जुड़ी चिंताएं भविष्य में बड़े संकट की ओर इशारा कर रही हैं। आने वाले समय में यह देखना अहम होगा कि क्या कूटनीतिक प्रयास सफल होते हैं या यह संकट एक बड़े युद्ध में बदल जाता है।

बच्चे के अंदर दिखें ये बदलाव तो पेरेंट्स न करें नजरअंदाज, हो सकते हैं एंग्जायटी के लक्षण

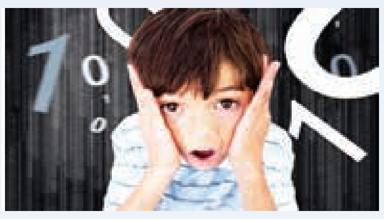

अगर बच्चा किसी काम को करने से पहले घबराता है, हथेलियों पर पसीना आए या फिर लोगों से मिलने-जुलने से कतराने लगे। तो पेरेंट्स को अपने बच्चे के इस बदलते व्यवहार के प्रति सतर्क रहने की जरूरत है। कई बार बच्चे एंग्जायटी को लेकर बात करना चाहते हैं, लेकिन माता-पिता उनकी बातों को अनसुना कर देते हैं। ऐसे में अगर समय पर एंग्जायटी के लक्षणों पर ध्यान न दिया जाए और इलाज न किया जाए, तो आगे चलकर इसके गंभीर परिणाम देखने को मिल सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एंग्जायटी के लक्षणों के बारे में बताने जा रहे हैं।

बच्चे का गुस्सैल होना – अगर बच्चे में एंग्जायटी की समस्या की समय रहते पहचान न की जाए, तो इसका सीधा असर बच्चे के लिए बिहेवियर पर देखने को मिलता है। बच्चा गुस्सैल हो जाता है किसी भी काम को करने से पहले झुंझलाते या फिर घबराते हैं।

तैयारी के बाद भी एग्जाम में जाने से डरना

एंग्जायटी की समस्या से गुजरने वाले बच्चों के अंदर एग्जाम को लेकर डर बैठ जाता है। अच्छी तैयारी होने के बाद भी उनको लगता है कि वह अच्छा परफॉर्म नहीं कर पाएंगे। कई बार वह परीक्षा न देने के लिए बहाने ढूंढते हैं या फिर उससे बचने का प्रयास करते हैं। अच्छी तैयारी होने के बाद भी वह खुद पर भरोसा नहीं कर पाते हैं।

घर से बाहर जाने में घबराहट

अगर बच्चा घर से बाहर जाने में कतराता है या किसी पार्टी व रिश्तेदार के यहां जाने से बचता है या फिर कई बार शॉपिंग पर जाने से मना करना। बच्चे का स्कूल जाने की इच्छा नहीं होना और न अपने दोस्तों से मिलना।

भूख और नींद कम होना

बता दें कि एंग्जायटी का असर बच्चे की नींद और भूख पर भी देखने को मिलता है। पहले जिन खेलों या एक्टिविटी में हिस्सा लेने के लिए बच्चा आगे रहता था, अब उसमें वह हिस्सा लेने से पीछे हट जाता है। या फिर डांसिंग, सिंगिंग या ड्राइंग जैसी मनपसंद एक्टिविटी में मन नहीं लगना।

एंग्जायटी के लक्षण

पेट दर्द या सिरदर्द की शिकायत

जी घबराना या उल्टी होना

सांस लेने में तकलीफ

ज्यादा पसीना आना

ऐसे पहचानें पेरेंट्स

पहले जिन कामों को करने में बच्चा दिलचस्पी दिखाता था, अब उन्हीं कामों को वह बोझ समझने लगा है।

बच्चा अगर किसी काम को करने से पहले ही यह कह दे कि वह मुझसे नहीं होगा।

बच्चे का बार-बार बीमार पड़ना और रात में नींद कम आना।

बच्चे का बाहर जाने से मना करना।

किसी से मिलने-जुलने में कंफर्टेबल फील नहीं करना।

काम को न करने के लिए बच्चे द्वारा नए-नए बहाने बनाना।

जानिए क्या करें पेरेंट्स

बच्चे के व्यवहार में बदलाव देखने के बाद पेरेंट्स उनसे ज्यादा से ज्यादा बात करने का प्रयास करें। साथ ही यह भी प्रयास करें कि आखिर बच्चा किस बात को लेकर परेशान हो रहा है। इसलिए बच्चे की बात को बेफिजूल मानकर नहीं टालना चाहिए। बच्चे को ऐसे फील कराएं कि आप उनका साथ हर स्थिति में देंगे। बच्चे के आसपास रहें और उनको कंफर्टेबल फील कराने का प्रयास करें। उनकी डाइट का ध्यान रखें। बच्चे की सेहत पर यदि एंग्जायटी का ज्यादा असर नजर आने लगा है तो किसी अच्छे साइकोलॉजिस्ट या काउंसलर से बात करने में बिल्कुल भी देर नहीं करें।

केरल के मुनरो आइलैंड की खूबसूरती देखकर झूम उठेंगे आप, प्रकृति प्रेमियों के लिए है जन्नत

दक्षिण भारत में जब किसी खूबसूरत राज्य में घूमने की बात होती है, तो बहुत सारे लोग केरल का नाम सबसे पहले लेते हैं। केरल दक्षिण भारत का पर्यटन हब माना जाता है। केरल की खूबसूरती हर दिन हजारों की संख्या में देशी और विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। यहां पर स्थित लैगून और बैकवॉटर देखने के लिए लोग केरल पहुंचते हैं। जब भी केरल घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले एलेप्पी, कुमारकोम, मुन्नार, वायनाड, वागामों और त्रिशूर जैसी फेमस जगहों पर जाना चाहते हैं। लेकिन मुनरो द्वीप के बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मुनरो द्वीप की खूबसूरती, खासियत और यहां पर मौजूद कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

मुनरो द्वीप

केरल के कोल्लम जिले में स्थित मुनरो द्वीप एक अद्भुत और अनोखी जगह है। यह कोल्लम शहर के कुछ किमी की दूरी है। इस द्वीप को कई लोग मुंद्रोथुरुथु के नाम से भी जानते हैं।

केरल में अष्टमुडी झील और कल्लदा नदी के संगम पर यह द्वीप स्थित है। मुनरो द्वीप राजधानी तिरुवनंतपुरम से करीब 90 किमी की दूरी पर है। यह द्वीप एलेप्पी से करीब 87 किमी दूर और कोट्टयम से महज 84 किमी दूर है।

मुनरो द्वीप का इतिहास

मुनरो द्वीप का इतिहास काफी रोचक है। इस आइलैंड के बारे में बताया जाता है कि इसका नाम पूर्व ब्रिटिश निवासी कर्नल मुनरो के नाम पर रखा गया है। बताया जाता है कि जब कर्नल मुनरो ने देखा कि सिंचाई के लिए आसपास के इलाकों में बहुत समस्या हो रही है, तब इस द्वीप का निर्माण करवाया गया था।

मुनरो द्वीप की खासियत

केरल के साथ-साथ दक्षिण भारत का भी यह एक ऐसा आइलैंड है, जो नदी और झील के किनारे स्थित है। मुनरो द्वीप अष्टमुडी झील और कल्लदा नदी के संगम पर स्थित है। जोकि अपने आप में अनोखा है।

इस द्वीप के बारे में कहा जाता है कि यह केरल का छिपा हुआ मोती है, जो करीब 8 द्वीपों से बना हुआ है। यहां पर स्थित बैकवाटर और लैगून पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

सैलानियों के लिए है खास

मुनरो द्वीप अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है और यहां पर हर दिन हजारों की संख्या में पर्यटक आते हैं। खासकर जो सैलानी बैकवाटर और लैगून से प्रेम करते हैं, उनके लिए मुनरो द्वीप किसी स्वर्ग से कम नहीं है। वहीं प्रकृति प्रेमियों के लिए भी यह खास जगह है।

मुनरो द्वीर अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। यहां पर कई पर्यटक बोटिंग का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। मानसून में इस द्वीप की खूबसूरती चरम पर होती है।

आसपास घूमने की जगहें

मुनरो द्वीप के आसपास कई शानदार और मनमोहक जगहें हैं। ऐसे में आप इन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। आप यहां पर अष्टमुडी झील, वेस्ट एंड ईस्ट कल्लाडा और थेवलक्करा गांव को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

कैसे पहुंचे मुनरो द्वीप

बता दें कि मुनरो द्वीप पहुंचना आसान है। इसके पास में कोल्लम रेलवे स्टेशन है, जोकि यहां से 27 किमी दूर है। वहीं अगर आप हवाई मार्ग से जाना चाहते हैं, तो यहां पर सबसे पास त्रिवेंद्रम एयरपोर्ट जोकि 80 किमी दूर है। ऐसे में आप एयरपोर्ट से कैब या टैक्सी करके मुनरो द्वीप जा सकते हैं।

केरल में भी हैं जम्मू-कश्मीर जैसी जगहें, जानें कहां और कैसा है वहां का नजारा

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पूरे देश में तनाव का माहौल है. कई लोग अब जम्मू-कश्मीर जाने से डर रहे हैं. ऐसे में इस ठंडे राज्य में गर्मी की छुट्टियां बिताने के लिए जिन लोगों ने पहले से टिकट बुक कर रखे थे, उनमें से ज्यादातर लोग अपनी टिकट कैंसिल करा रहे हैं. इन सभी के दिमाग में एक बात जरूर आ रही होगी कि अगर वो जम्मू-कश्मीर की टिकट कैंसिल करा रहे हैं तो इस गर्मी के मौसम में भारत के किस राज्य में जाना बेहतर रहेगा. ऐसे में आज इस खबर के जरिए जानिए कि गर्मी की छुट्टियां बिताने के लिए भारत में कौन सी जगह सबसे अच्छी रहेगी...

केरल के वायनाड जिले में स्थित कलपेट्टा नामक इलाका बेहद शांत और प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर जगह है. यह जगह आपको बेहद पसंद आएगी. प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर यह हिल स्टेशन पर्यटकों को एक नया अनुभव देता है. आइए अब इस जगह के बारे में पूरी जानकारी जानते हैं.

केरल के बारे में सोचते ही सबसे पहले उनके दिमाग में मुन्नार या थेक्कडी जैसी जगहें आती हैं. दरअसल, ये दोनों ही जगहें लोकप्रिय पर्यटन स्थल हैं. लेकिन केरल में और भी कई नई और अनोखी जगहें . इनमें से एक है कलपेट्टा. जी हां ! हममें से कई लोगों ने अब तक कलपेट्टा के बारे में नहीं सुना होगा. लेकिन यह एक ऐसी जगह है जो लोगों के दिलों को मोह लेती है. यह ऊंची पहाड़ियों और हरे-भरे जंगलों का एक सुंदर मिश्रण दृश्य प्रस्तुत करता है.

कलपेट्टा केरल के वायनाड जिले में स्थित एक जगह है. यहां चारों तरफ हरे-भरे पेड़ और प्राकृतिक सुंदरता है. यहां जाने वाले हर व्यक्ति के लिए यह एक अच्छा अनुभव होगा. यह बहुत ही शांत वातावरण वाली जगह है. यह समुद्र तल से लगभग 780 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है. पश्चिमी घाटों के बीच स्थित इस जगह पर मौसम हमेशा ठंडा रहता है. गर्मियों में भी ठंड कभी कम नहीं होती. यही कारण है कि यह पूरे साल घूमने के लिए एक आदर्श जगह है.

कलपेट्टा के आसपास मेप्पाडी नामक क्षेत्र में बड़े पैमाने पर चाय के बागान हैं. इन हरे-भरे क्षेत्रों के बीच घूमना एक अद्भुत एहसास देता है. हर पर्यटक इनके बीच के रास्तों पर घूमना और फोटो लेना पसंद करता है. कलपेट्टा से 15 किमी दूर एक खूबसूरत झील है. वहां नाव से यात्रा करना और पक्षियों को देखना बहुत आनंददायक है. इसे एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त है. यह प्राकृतिक झील समय बिताने के लिए एक शांतिपूर्ण स्थान प्रदान करती है.

यदि आप कहीं ठंडी जगह जाना चाहते हैं, चाहे गर्मी की छुट्टियों में या मानसून के मौसम में, तो कलपेट्टा सबसे अच्छा विकल्प है. यह एक ऐसा हिल स्टेशन है जिसकी प्राकृतिक सुन्दरता के बारे में बहुत से लोगों को जानकारी नहीं है. यदि आप कुछ नया देखना चाहते हैं और यातायात और अराजकता से दूर एक शांत, ठंडी जगह में समय बिताना चाहते हैं, तो आपको निश्चित रूप से कलपेट्टा की यात्रा करनी चाहिए.

रोजाना खाली पेट सूखे आंवले और जीरे का पानी पीने से शरीर को मिलेंगे कई फायदे, बदलाव देख रह जाएंगे हैरान

आयुर्वेद में सूखा आंवला पाउडर और जीरे के पानी को स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना जाता है। दरअसल, आंवला और जीरा दोनों ही प्राकृतिक तत्व और पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। यह शरीर को कई बीमारियों से बचाता है। ऐसे में अगर कोई व्यक्ति नियमित रूप से इसका सेवन करते हैं, तो इससे पाचन तंत्र मजबूत होता है और इम्यूनिटी बढ़ाने में भी मददगार होता है। इसके अलावा यह बालों और स्किन के लिए भी फायदेमंद होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सूखे आंवला पाउडर और जीरे के पानी के फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं।

ऐसे बनाएं आंवला पाउडर और जीरे का पानी

आंवला पाउडर – 1 चम्मच सूखा

जीरा पाउडर – 1 चम्मच भुना हुआ

पानी – 1 गिलास गुनगुना

इन सभी चीजों को पानी में मिलाकर उबाल लें और फिर सुबह खाली पेट इसका सेवन करें।

पाचन तंत्र होगा मजबूत

सूखा आंवला पाउडर और जीरे का पानी पाचन क्रिया को दुरुस्त करता है। आंवले में फाइबर की अधिक मात्रा पाई जाती है, जो कब्ज की समस्या से राहत दिलाता है। वहीं जीरा गैस, एसिडिटी और अपच को ठीक करता है। ऐसे में अगर आप रोजाना सुबह खाली पेट आंवला पाउडर और जीरा पानी पीते हैं, तो इससे पाचन संबंधी समस्या दूर होगी।

इम्युनिटी

आंवला विटामिन सी का मुख्य सोर्स है। यह शरीर की इम्यूनिटी को बढ़ाता है। आंवले में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाने का काम करते हैं। जीरा में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। जोकि इंफेक्शन से लड़ने में सहायता करता है। ऐसे में नियमित रूप से यह पीने से सर्दी-जुकाम जैसी समस्याएं कम होती हैं।

वेट लॉस

अगर आप भी वेट लॉस करना चाहते हैं, तो सूखा आंवला पाउडर और जीरा पानी आपके लिए लाभकारी हो सकता है। आंवला मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है और जीरा भी एक्स्ट्रा फैट कम करता है। साथ ही यह कॉम्बिनेशन भूख कम करने के साथ ही शरीर की एक्स्ट्रा चर्बी कम करने में सहायक है।

डिटॉक्सिफिकेशन में लाभकारी

आंवला और जीरा पानी पीने से शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं। आंवला लिवर को स्वस्थ रखता है और खून साफ करता है। वहीं जीरा भी शरीर के हानिकारक टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मददगार होता है। इसलिए रोजाना सुबह खाली पेट इसको पीने से बॉडी डिटॉक्स होता है और शरीर का एनर्जी लेवल बढ़ता है।

स्किन और बालों के लिए फायदेमंद

आंवला में विटामिन सी और एंटी ऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाया जाता है। यह स्किन को ग्लोइंग बनाता है और झुर्रियों को भी कम करता है। वहीं यह पिगमेंटेशन और मुंहासों को भी दूर करता है। वहीं जीरे का पानी भी बालों के लिए काफी फायदेमंद होता है। यह बालों का झड़ना कम करने के साथ उनको मजबूत बनाता है।

डायबिटीज होगी कंट्रोल

दरअसल, आंवले में क्रोमियम नामक मिनरल पाया जाता है, जो ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में सहायता करता है। तो वहीं जीरा भी इंसुलिन सेंसिटिविटी को बेहतर करता है, जिससे डायबिटीज के मरीजों को लाभ मिलता है।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com